राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 25 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-33 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## एआई समिट हंगामा: उदय भानु 4 दिन हिरासत में

■ पुलिस बोली: एआई प्रेसिडेंट ही मास्टरमाइंड

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें आज सुबह तिलक मार्ग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी और आरोप लगाया कि चिब ही घटना के मास्टरमाइंड हैं। प्रदर्शनकारी उनके निर्देश पर भारत मंडपम में आयोजित समिट में घुसे थे। चिब ने ही उनको लॉजिस्टिक हेल्प की थी। इधर एआई समिट मामले की जांच दिल्ली पुलिस की इंटर-स्टेट क्राइम ब्रांच टीम को सौंपी गई। चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने लिखा कि चिब की गिरफ्तारी असंवैधानिक और तानाशाह नरेंद्र मोदी की सनक का नतीजा है। राहुल ने लिखा कि कांग्रेस के बब्बर शेर साथियों पर गर्व, जिन्होंने कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज उठाई। दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर अकसमिट के दौरान शर्टलैस होकर ढट मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे।

# अंडमान में समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग

## तकनीकी खराबी आई, पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार सभी 7 लोग सुरक्षित

**श्री विजयापुरम (एजेंसी)।** अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मंगलवार सुबह 9.30 बजे एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना के समय उसमें 5 यात्री और 2 पायलट सवार थे। इनमें 3 महिला, 3 पुरुष और एक बच्चा मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर ने सुबह 8.30 बजे पोर्ट ब्लेयर से अंडमान के मायाबंदर के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर के मायाबंदर पहुंचने के पहले ही उसमें खराबी आ गई। इसके बाद रनवे से 300 मीटर पहले ही समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग कराई गई। नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि घटना में दोनों पायलट और 5 यात्री घायल हुए हैं।

सभी को मायाबंदर के डॉ. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। केंद्र सरकार की हेलिकॉप्टर सेवा कंपनी पवन हंस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के बाद पोर्ट ब्लेयर से राहत हेलिकॉप्टर भेजा गया था। मामले की जांच कराई जा रही है। एक दिन पहले ही झारखंड के चतरा में एयर एंबुलेंस क्रैश

में 7 लोगों की मौत हुई थी। प्लेन के दोनों पायलट भी मारे गए थे। 23 फरवरी की रात रांची से दिल्ली जा रही रेडबर्ड एयरवेज कंपनी की एयर एंबुलेंस झारखंड के चतरा में कसियातु जंगल में क्रैश हुई थी। घटना में प्लेन सवार सभी 7 लोगों की मौत हुई। एबुलेंस ने शाम 7.11 बजे रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। 7:34 बजे कोलकाता एटीसी से संपर्क टूट गया। रात 8:05 बजे रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन संटर एक्टिव किया गया। मरने वालों में प्लेन के दोनों पायलट कैप्टन विवेक, कैप्टन सबराजदीप, मरीज संजय कुमार, उनकी पत्नी अर्चना देवी, भगीना ध्रुव कुमार, डॉ. विकास कुमार गुप्ता, एक पैरामेडिक सचिन कुमार मिश्रा शामिल हैं।

## दिल्ली में और गहनता से होगी हवा की निगरानी

■ छह नए एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन शुरू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली सरकार ने हवा की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए 6 नए कंटीन्यूअस एम्बिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन (सीएएक्यूएमएस) शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही दिल्ली में ऐसे स्टेशनों की कुल संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जो देश में सबसे अधिक है। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि ये सभी नए स्टेशन अब दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की वेबसाइट पर लाइव डेटा दे रहे हैं। एक सप्ताह के भीतर इनका डेटा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के नेटवर्क से भी जुड़ जाएगा, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) और अधिक सटीक हो सकेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में शुरू किए गए ये स्टेशन जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू), मालचा महल (सेंट्रल रिज) के पास इसरो अर्थ स्टेशन, दिल्ली कैंटोनमेंट, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (वेस्ट कैंपस) में लगाए गए हैं।

# केरल का नाम अब केरलम, कैबिनेट की मंजूरी: सेवातीर्थ में पहली मीटिंग

## रेल-मेट्रो और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए 12,236 करोड़ रुपये मंजूर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पीएम नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए हैं। बैठक में पावर सेक्टर में सुधारों पर पॉलिसी से जुड़े फैसले हुए और केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। कैबिनेट ने तीन नए रेल प्रोजेक्ट के तहत गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के डबलिंग, गम्हरिया-चांडिल और पुनारख-किऊल के बीच तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है। साथ ही श्रीनगर में एक नया एयरपोर्ट टर्मिनल बनेगा और अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2इ का एक्सटेंशन होगा। कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब राष्ट्रपति केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026 को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत केरल विधानसभा की राय के लिए भेजेंगे। विधानसभा की राय मिलने के बाद, सरकार संसद में बिल पेश करेगी। संसद से पास होने पर राज्य का नाम आधिकारिक रूप से केरलम हो जाएगा। केरल विधानसभा से 24 जून 2024 को प्रस्ताव पास हुआ था। इस प्रस्ताव के मुताबिक केरल का असल में मलयाली भाषा में नाम केरलम है। हिंदी और दूसरी भाषाओं में इसे केरल कहा जाता है। नाम बदलने का उद्देश्य केरल राज्य की पहचान, भाषा, संस्कृति और विकास को बढ़ावा देना है। उत्तरांचल बना उत्तराखंडः 2007 में केंद्र सरकार ने उत्तरांचल का नाम उत्तराखंड करने के लिए एक बिल संसद में पारित किया। इस पर तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के हस्ताक्षर होते ही राज्य का नाम बदल गया। उड़ीसा बना ओडिशाः 2010 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने उड़ीसा को ओडिशा नाम में बदले जाने के बिल को मंजूरी दी थी।

### 13 फरवरी को पीएमओ सेवा तीर्थ में शिफ्ट

**कैबिनेट की पिछली बैठक 13 फरवरी को PMO के साउथ ब्लॉक वाले ऑफिस में हुई थी। इसके बाद PMO को नए ऑफिस में शिफ्ट कर दिया गया था। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें हैं- सेवा तीर्थ-1, सेवा तीर्थ-2 और सेवा तीर्थ-3। सेवा तीर्थ-1 में PMO है। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय और सेवा तीर्थ-3 में ठरउर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का ऑफिस है। ये सभी ऑफिस पहले अलग-अलग जगहों पर थे।**

## 'स्वास्थ्य सेवाएं देते समय अपनी जिम्मेदारी निभाएं'

■ राष्ट्रपति मुर्मू का निजी अस्पतालों को संदेश

**मुम्बई (एजेंसी)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि सभी के लिए सस्ती और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हम सबका लक्ष्य होना चाहिए। मुर्मू मुंबई के लोक भवन में पीडी हिंदुजा अस्पताल की ओर से आयोजित 'सेविंग लाइव्स एंड बिल्डिंग अ हेल्दीयर भारत' अभियान की शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में प्रतिष्ठा हासिल करेगा। राष्ट्रपति ने निजी अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों से कहा कि वे स्वास्थ्य सेवाएं देते समय अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का भी ध्यान रखें। उन्होंने कहा, स्वस्थ भारत के निर्माण में सरकार के साथ-साथ अन्य सभी हितधारकों की भी भूमिका अहम है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा जन-जन तक पहुंचे इसके लिए सब को मिलकर प्रयास करना है। राष्ट्रपति ने कहा कि तकनीक और एआई अन्य क्षेत्रों की तरह चिकित्सा के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। चिकित्सा के हर क्षेत्र में इनका प्रयोग किया जा रहा है। आने वाले समय में इनकी भूमिका और भी बढ़ने वाली है।उन्होंने आगे कहा, दवा और उपकरण का देश में ही निर्माण देशवासियों को किफायती चिकित्सा प्रदान करने के लिए बेहद जरूरी है। मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी पहल इस दिशा में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने लक्ष्य के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति में नागरिकों का स्वस्थ होना एक बुनियादी जरूरत है। सभी देशवासी स्वस्थ रहेंगे, जब उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध होंगी।

## यूपी सरकार की सौगात: होली पर 28 फरवरी से नौ मार्च तक चलेंगी अतिरिक्त बसें

**लखनऊ (एजेंसी)।** योगी सरकार ने होली पर्व पर यात्रियों की सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की है। इसके तहत 28 फरवरी से नौ मार्च तक अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा । इसके साथ ही, उत्कृष्ट कर्मचारियों को 3600 से 4500 रुपये तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि दिल्ली एवं गाजियाबाद सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश से यात्रा का दबाव अधिक रहता है। इसलिए इन क्षेत्रों में बसों और कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या पहले से सुनिश्चित की जाएगी। यदि प्रारंभिक प्वाइंट से 60 प्रतिशत यात्री लोड मिलता है तो प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत निगम बसों को ऑनरोड रखा जाए और अनुबंधित बसों के कर्मियों को पर्व अवधि में अवकाश न दिया जाए। वाहन स्वामी समय से मरम्मत कार्य पूर्ण कर बसें संचालन हेतु उपलब्ध कराएं।योगी सरकार ने यात्रा के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जाम या दुर्घटना की स्थिति को काबू कर संचालन सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवर्तन दल लगातार ड्यूटी पर रहेंगे तथा चालकों और परिचालकों का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया जाएगा। बसों की तकनीकी स्थिति दुरुस्त रहे, सीटें ठीक हों, खिड़कियों के शीशे सही हों और फायर सेफ्टी उपकरण उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बस स्टेशनों और बसों में स्वच्छता व्यवस्था भी सुदृढ़ रखने को कहा गया है।

## गुजरात में आसाराम ने साधकों से घर-घर जाकर की मुलाकात

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** दुष्कर्म के केस में आजीवन उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम मंगलवार को गुजरात के वलसाड पहुंचे। यहां वे अपने साधकों से घर-घर जाकर मुलाकत करने नजर आए। हालांकि, उनके समर्थकों ने मीडिया को इस कार्यक्रम को कवर करने से रोक दिया। कुछ लोगों ने मीडियाकर्मी का मोबाइल फोन छीनने की भी कोशिश की। हालांकि, समर्थकों ने मीडिया को कवरेज करने से क्यों रोका, इसका सही कारण पता नहीं चल पाया है। इस पूरी घटना को दिव्य भास्कर डिजिटल टीम ने कैमरे में कैद कर लिया। आसाराम ने सरदार हाइट्स बिल्डिंग, पालीहिल, प्रमुख पार्क, भाकगाडावाड़ा, रामजी मंदिर के पीछे, कोसंबा रणछोड़जी मंदिर इलाकों का दौरा कर साधकों से मुलाकात की। रेप केस में सजा काट रहे आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट के बाद गुजरात हाईकोर्ट से भी जमानत मिली हुई है। कोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर 6 महीने के लिए जमानत देते हुए सजा स्थगित कर दी है। गुजरात हाईकोर्ट में पिछले साल दिसंबर में हुई सुनवाई के दौरान आसाराम उर्फ आशुमल (86) के वकील देवदत्त कामत ने कोर्ट को बताया था कि आसाराम 13 साल से जेल में बंद है।

# राहुल बोले: मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की

## पीएम पर एपस्टीन-अडाणी के केस का दबाव, भोपाल में कांग्रेस की किसान महाचौपाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की। उन पर एपस्टीन और अडाणी के केस का दबाव है। इस वजह से उन्होंने हिंदुस्तान और किसानों का डेटा अमेरिका को बेच दिया। राहुल मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बोल रहे थे। कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में किसान चौपाल बुलाई थी। इस दौरान राहुल ने कहा, हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया।

मैं चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर बात रखना चाहता था। राहुल ने कहा- मैंने लोकसभा में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की बात रखी थी, उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि जब चीनी घुसपैठ हुई थी तो उन्हें हिंदुस्तान की सरकार ने अकेला छोड़ दिया। मोदी ने बिना कैबिनेट से पूछे अमेरिका से डील की- प्रधानमंत्री ने लोकसभा से निकलते ही ट्रंप को फोन किया और बिना कैबिनेट से सलाह लिए डील के लिए तैयार होने की बात कह दी। किसानों और देश के हित से समझौता किया- सरकार ने अमेरिकी कंपनियों को भारत में सोया, कपास और भुट्टा बेचने की छूट देने की तैयारी कर ली है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान होगा।

अमेरिका से ट्रेड डील दबाव में की गई - अमेरिका से ट्रेड डील दबाव और धमकी के कारण किया गया। एपस्टीन फाइल और अडाणी से जुड़े मामलों की वजह से सरकार झुकी। भारत को कुछ नहीं मिला, उल्टा नुकसान होगा - इस डील से भारत को कोई फायदा नहीं हुआ। भारत को ज्यादा टैक्स देना पड़ेगा और हर साल अमेरिका से भारी मात्रा में सामान खरीदना पड़ेगा। देश की इंडस्ट्री और टेक्सटाइल सेक्टर पर खतरा - अगर अमेरिका से कपास और अन्य सामान सस्ते में आएंगे, तो भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री और स्थानीय उद्योग कमजोर हो जाएंगे।

### खड़गे बोले: मोदी ने किसानों के साथ छल किया

**कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नरेंद्र मोदी, सरेंडर मोदी हैं। उन्होंने देश को बेच दिया। किसानों के साथ छल किया। मोदीजी रोज उठकर चाय पर बात करते थे, तो क्या देश को बेचने की बात करते थे। मोदीजी कांग्रेस शासन में पैदा हुए, उन्हें अपना नाम बदल लेना चाहिए।**

# लोकसभा अध्यक्ष ने 64 पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स बनाए

## हर ग्रुप में एक लीडर समेत 11 सांसद, फ्रांस में थरूर, जापान में अखिलेश यादव नेतृत्व करेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को 64 देशों के साथ पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स (PFG) का गठन किया है। इन ग्रुप्स का मकसद दूसरे देशों के साथ संसदीय कूटनीति को मजबूत करना और वैश्विक मंच पर भारत की संसद की एकजुट लोकतांत्रिक आवाज पेश करना है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद ढट मोदी ने भारत और अन्य देशों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए PFG बनाने का प्रस्ताव दिया था। अब लोकसभा अध्यक्ष ने इसका गठन किया है। 64 ग्रुप्स में लोकसभा और राज्यसभा के कुल 704 सांसद हैं। हर ग्रुप में एक लीडर और 10 सदस्य हैं। इनमें भाजपा के सबसे ज्यादा 30 ग्रुप लीडर हैं। कांग्रेस के 10, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) और तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 3-3 सांसद ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। भाजपा की तरफ से ग्रुप लीडर्स में हेमा मालिनी, मनोज तिवारी, निशिकांत दूबे जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कांग्रेस से शशि थरूर, TMC से अभिषेक बनर्जी और अक्टक्ट चीफ असदुद्दीन औवेसी भी ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। हालांकि, ढत्रक्क्ष के सदस्य कैसे काम करेंगे, अभी इसकी औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है। केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनियाभर में भारत का पक्ष रखने के लिए 17 मई 2025 को 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा की थी। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत थे। NDA के 31 और 20 दूसरे दलों के नेता थे, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी थे। ये डेलिगेशन दुनिया के 33 देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के सदस्य देशों में गया और वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का पक्ष रखा। इस डेलिगेशन को 7 ग्रुप में बांटा गया था। हर ग्रुप में एक सांसद को लीडर बनाया गया। प्रत्येक ग्रुप 8 से 9 सदस्य थे। इनमें 6-7 सांसद, सीनियर लीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल थे। आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस : इसमें बताया कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकी गुटों और उनके ढांचों के खिलाफ था। आतंकी अड्डों को नपी-तुली कार्रवाई में निशाना बनाया गया। पाक सेना ने इसे खुद के खिलाफ हमला माना और पलटवार किया। पाक आतंक का समर्थक : सांसद कुछ सबूत लेकर गए, जिनमें उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले में पाक समर्थित आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) की भूमिका थी। इससे पहले हुए हमलों का भी पूरा चिट्ठा सांसद लेकर गए थे। भारत जिम्मेदार और संयमित : भारत ने सैन्य कार्रवाई में भी जिम्मेदारी और संयम का परिचय दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# होलाष्टक से धूलिवंदन तक- चंद्रग्रहण, आस्था, ज्योतिष और व्यवहारिकता के बीच संतुलन

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं )

होली केवल भारत तक सीमित नहीं,बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय समुदायों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है। होलाष्टक की मान्यताएं हमें संयम,अनुशासन और आत्मचिंतन का संदेश देती हैं, जबकि होली का रंगोत्सव हमें प्रेम, क्षमा और नई शुरुआत का अवसर देता है

वैश्विक स्तरपर होली का त्योहार केवल रंगों काउत्सव नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की जीवंतता,आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भारत सदियों से विविध आस्थाओं,प्रथाओं और मान्यताओं का केंद्र रहा है,जहां हर पर्व को शुद्ध श्रद्धा और सांस्कृतिक अनुशासन के साथ मनाया जाता है। यही कारण है कि होली केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय समुदायों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।2026 में होली का पर्व विशेष चर्चा में है, क्योंकि 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ हो रहा है, 2 मार्च को होलिका दहन होगा और 3 मार्च को रंगोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने की चर्चा ने लोगों के मन में यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि धूलिवंदन 3 मार्च को होगा या 4 मार्च को? इस लेख में हम धार्मिक मान्यताओं,ज्योतिषीय दृष्टिकोण और व्यवहारिक तथ्यों के आधार पर इस भ्रम को दूर करने का प्रयास करेंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हम सब जानते हैं कि,पौराणिक आधार पर होली की जड़ें भगत प्रहलाद, होलिका और नरसिम्हा की कथा से जुड़ी हैं। असत्य पर सत्य की विजय और अहंकार के अंत का संदेश देने वाली यह कथा भारतीय मानस में गहराई से रची-बसी है।होलिका दहन उस प्रतीकात्मक क्षण का स्मरण है जब भक्ति और धर्म की रक्षा हुई। इसलिए होली केवल रंगों का खेल नहीं,बल्किआध्यात्मिक पुनर्जागरण का अवसर भी है इस आर्टिकल में चर्चा की गई हर बात मान्यताओं पर आधारित सटीकता से इसका कोई संबंध नहीं वह यहां लिखी हुई बातें मानी जाए यह बिलकुल जरूरी नहीं है। साथियों बात अगर हम होलाष्टक 2026- अवधि और धार्मिक मान्यता इसको समझने की करें तो,2026 में होलिका दहन 2 मार्च को पड़ रहा है, अतः उससे आठ दिन पूर्व 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ होगा और 3 मार्च तक चलेगा। होलाष्टक का अर्थ है होली से पहले के आठ दिन। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन दिनों में आठ प्रमुख ग्रह उग्र अवस्था में माने जाते हैं,अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध,चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राहु। मान्यता है कि इस अवधि में शुभ और मांगलिक कार्य करने से जीवन में बाधाएं,कलह या कष्ट आ सकते हैं।इसलिए विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, वाहन क्रय, भूमि पूजन और नए व्यवसाय की शुरुआत से बचने की सलाह दी जाती है।हालांकि यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ये मान्यताएं ज्योतिषीय परंपराओं पर आधारित हैं,न कि किसी विधिक अनिवार्यता पर।भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इन मान्यताओं का पालन अलग- अलग स्तर पर किया जाता है। कुछ समुदाय इसे कठोरता से मानते हैं,जबकि कुछ इसे प्रतीकात्मक मानकर अपनी सामान्य जीवनचर्या पूर्वोत:जारी रखते हैं। साथियों बात अगर हम चंद्रग्रहण और धूलिवंदन का भ्रम इसको समझने की करें तो,2026 में 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने की चर्चा के कारण यह भ्रम फैल रहा है किधूलिवंदन 4 मार्च को मनाया जाना चाहिए। यहां मूल सिद्धांत यह है कि होली का रंगोत्सव पूर्णिमा तिथि के अगले दिन, अर्थात होलिका दहन के बाद मनाया जाता है। यदि 2 मार्च की रात्रि में होलिका दहन हो रहा है और पूर्णिमा तिथि 3 मार्च को विद्यमान है, तो परंपरागत रूप से रंगों की होली 3 मार्च को ही मनाई जाने की संभावना है।चंद्रग्रहण का प्रभाव मुख्यत:तब माना जाता है जब वह भारत में दृश्य हो और उसके समय का संयोग महत्वपूर्ण पूजा-विधि से हो। यदि ग्रहण का समय रंग खेलने के पारंपरिक समय से भिन्न है या वह भारत में दृश्य नहीं है, तो सामान्यतः होली की तिथि नहीं बदलती। इसलिए केवल ग्रहण की उपस्थिति से धूलिवंदन की तिथि स्वतः 4 मार्च नहीं हो जाती ऐसा कुछ लोगों का मानना है।अंतिम निर्णय पंचांग,स्थानीय परंपरा और मंदिरसमितियों की घोषणा पर निर्भर करता है।इसलिए व्यापक रूप से 3 मार्च 2026 को ही रंगोत्सव मनाया जाना संभावित है,जबतक कि अधिकृत पंचांग बिल्कुल ही अन्यथा न कहे।

साथियों बात अगर हम हिंदू धर्म के 16 संस्कारों क़ा संक्षिप्त परिचय जानने की करें तो हिंदू जीवन-पद्धति में 16 संस्कारों का उल्लेख है, जो जन्म से मृत्यु तक व्यक्ति के जीवन को पवित्र और अनुशासित बनाते हैं। ये हैं गर्भाधान,पुंसवन,सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म (मुंडन), कर्णवेध,विद्यारंभ उपनयन वेदारंभ,केशांत,समावर्तन,विवाह,अंत्येष्टि होलाष्टक के दौरान सामान्यत:विवाह जैसे मांगलिक संस्कार नहीं किए जाते। किंतु अंत्येष्टि संस्कार जीवन की अनिवार्य प्रक्रिया है,इसलिए उसके लिए शांति पूजन आदि करके कर्म संपन्न किए जाते हैं। यह दर्शाता है कि धार्मिक अनुशासन के साथ व्यवहारिक विवेक भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। साथियों बात अगर हम होलाष्टक में क्या करें और क्या न करें इसको समझने की करें तो,होलाष्टक में क्रोध, विवाद और अनावश्यक बहस से बचने की सलाह दी जाती है।घर में शांत वातावरण बनाए रखना सकारात्मक ऊर्जा के लिए आवश्यक माना गया है। विवाह, गृह प्रवेश, नए निर्माण और बड़े निवेश जैसे कार्य टालने की परंपरा है। वहीं दूसरी ओर पूजा-पाठ, मंत्र-जाप, व्रत, दान और आत्मचिंतन को विशेष फलदायी बताया गया है। इस अवधि में विष्णु , हनुमान और नरसिम्हा की आराधना का विधान बताया जाता है महामृत्युंजय मंत्र का जाप मानसिक शांति और आध्यात्मिक बल प्रदान करता है। वास्तु और होली पूर्व सफाई- आध्यात्मिक मनोविज्ञान होली से पूर्व घरों में महा-सफाई की परंपरा केवल स्वच्छताअभियान नहीं, बल्कि मानसिक और ऊर्जात्मक शुद्धि का प्रतीक है। टूटी-फूटी वस्तुएं, बंद पड़ी घड़ियां, धुंधले शीशे और पुराने कबाड़ को हटाने की सलाह वास्तु शास्त्र में दी जाती है। यह वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि अव्यवस्था तनाव बढ़ाती है और स्वच्छता सकारात्मकता को प्रोत्साहित करती है।पूजा स्थल की विशेष सफाई आवश्यक मानी जाती है। खंडित मूर्तियों को सम्मानपूर्वक हटाना और स्वच्छ वातावरण में पूजा करना आस्था की शुद्धता का प्रतीक है। मुख्य द्वार पर वंदनवार लगाना और ईशान कोण को स्वच्छ रखना पारंपरिक विश्वास हैं, जो घर में शुभता और समृद्धि का संदेश देते हैं।

साथियों बात अगर हम रंगों, गुझिया और मस्ती के इस उत्सव को पौराणिक मान्यताओं (हालांकि इसका सटीक प्रमाण नहीं है) के दृष्टिकोण से समझने की करें तो पहले हम सभी के घरों में महा-सफाई का अभियान छिड़ चुका है। लेकिन क्या हम जानते हैं कि सिर्फ धूल -मिट्टी झाड़ देना ही काफी नहीं है? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के कोनों में छिपी कुछ चीजें आपकी तरक्की और खुशहाली को नजर लगा सकती हैं। अगर हम चाहते हैं कि इस बार रंगों के साथ-साथ हमारे घर में मां लक्ष्मी का भी आगमन हो, तो सफाई के दौरान इन चीजों को तुरंत विदा करने क़ा ऑप्शनल विचार कर सकते हैं(1) टूटी- फूटी चीजें- तरक्की की दुश्मन- अक्सर हम बाद में ठीक करा लेंगे के चक्कर में टूटे हुए बर्तन, चटक चुके कांच के सामान या टूटी चप्पलें स्टोर रूम में पटक देते हैं।

ास्तु के अनुसार, ये चीजें घर में नकारात्मक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत हैं। इनसे मानसिक तनाव बढ़ता है और घर के सदस्यों के बीच अनबन की स्थिति बनी रहती है। (2) रुकी हुई घड़ियां-थम न जाए वक्त-क्या हमारे घर की किसी दीवार पर कोई ऐसी घड़ी है जो बंद पड़ी है? तो उसे आज ही ठीक कराएं या हटा दें। रुकी हुई घड़ी जीवन में ठहराव और बाधाओं का प्रतीक मानी जाती है। वक्त को आगे बढ़ाना है तो घड़ी का चलते रहना जरूरी है।(3) पूजा घर की सफाई- सबसे अहम कदम-मंदिर घर का सबसे पवित्र कोना होता है। सफाई के दौरान अगर हमको कोई खंडित (टूटी हुई) मूर्ति या फटी हुई धार्मिक तस्वीर दिखे, तो उसे ससम्मान हटा दें। इन्हें घर में रखने से वास्तु दोष लगता है। होली से पहले इन्हें किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करना या किसी पेड़ के नीचे रखना बेहतर होता है।(4) धुंधले और टूटे शीशे-टूटा हुआ आईना न केवल असुरक्षित है, बल्कि यह वास्तु के नजरिए से भी अशुभ है।यह घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा को परावर्तित करके वापस भेज देता है। इस होली, चमकते रंगों के साथ अपने घर के शीशों को भी चमकाएं!(5)कुछ खास बातें जो हमको जाननी चाहिए (अ) मुख्य द्वार का महत्व- होली पर घर के मुख्य दरवाजे परवंदनवार जरूर लगाएं। आम के पत्तों या गेंदे के फूल का वंदनवार नकारात्मक शक्तियों को घर में प्रवेश करने से रोकता है।(ब)ईशान कोण की सफाई- घर के उत्तर-पूर्वी कोने (ईशान कोण) को बिल्कुल खाली और साफ रखें। इसे देवताओं का स्थान माना जाता है, यहां सफाई रखने से धन लाभ के योग बनते हैं। (क़) पुराना कबाड़ और अखबार- बरसों से जमा पुराने अखबार और रद्दी दिमागी बोझ बढ़ाते हैं। इस होली कबाड़ मुक्त घर का संकल्प लें(ड)होली सिर्फ रंगों का खेल नहीं, बल्कि पुराने गिले-शिकवे मिटाकर नई शुरुआत करने का मौका है। जब घर वास्तु के अनुसार साफ और व्यवस्थित होता है,तो मन में भी शांति रहती है। तो उठाइए झाड़ू, निकालिए कबाड़ और अपने घर को खुशियों के स्वागत के लिए तैयार करें। साथियों बात अगर हम सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य होलाष्टक और चंद्रग्रहण से लेकर धुलिवंदन होली महोत्सव को समझने की करें तो,आज होली केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक कूटनीति का माध्यम भी बन चुकी है।अमेरिका, यूरोप और एशिया के अनेक देशों में होली उत्सव आयोजित होते हैं। विदेशी सैलानी भारत आकर मथुरा,वृंदावन और वाराणसी जैसे शहरों में होली का आनंद लेते हैं।यह भारत कीसांस्कृतिक शक्ति और सॉफ्ट पावर का प्रतीक है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि होलाष्टक से धुलीवंदन तक आस्था और विवेक का संतुलन, 2026 की होली के संदर्भ में मुख्य बिंदु यह है कि 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ होगा, 2 मार्च को होलिका दहन और 3 मार्च को रंगोत्सव मनाया जाएगा।

**साथियों बात अगर हम हिंदू धर्म के 16 संस्कारों क़ा संक्षिप्त परिचय जानने की करें तो हिंदू जीवन-पद्धति में 16 संस्कारों का उल्लेख है, जो जन्म से मृत्यु तक व्यक्ति के जीवन को पवित्र और अनुशासित बनाते हैं। ये हैं गर्भाधान,पुंसवन,सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म (मुंडन), कर्णवेध,विद्यारंभ उपनयन वेदारंभ,केशांत,समावर्तन,विवाह,अंत्येष्टि होलाष्टक के दौरान सामान्यत:विवाह जैसे मांगलिक संस्कार नहीं किए जाते। किंतु अंत्येष्टि संस्कार जीवन की अनिवार्य प्रक्रिया है,इसलिए उसके लिए शांति पूजन आदि करके कर्म संपन्न किए जाते हैं। यह दर्शाता है कि धार्मिक अनुशासन के साथ व्यवहारिक विवेक भी समान रूप से महत्वपूर्ण है।**

## संपादकीय

### भारत- अमेरिका के व्यापार समझौते की राह

भारत के हित में यही है कि उसके उत्पादों की खपत विश्व के अधिक से अधिक देशों में हो। भारत को अपने उत्पादों के लिए अमेरिका के अतिरिक्त अन्य देशों को अनुकूल बाजार के रूप में इसलिए भी खोजना चाहिए, क्योंकि इससे ही वह ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन के दबदबे को खत्म कर सकता है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की ओर से ट्रंप की टैरिफ नीति को अवैधानिक करार देने के उपरांत भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार वार्ता टलने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जिस तरह यह कहा कि फिलहाल टैरिफ में बदलाव को लेकर कुछ कहना कठिन है, उससे इसे लेकर सुनिश्चित नहीं हुआ जा सकता कि अमेरिका से व्यापार समझौता कब होगा? जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने 25 प्रतिशत टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करने एवं रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को खत्म करने की घोषणा की थी और उसके बाद दोनों देशों की ओर से व्यापार समझौते को लेकर संयुक्त बयान जारी किया गया था तो माना जा रहा था कि मार्च में यह समझौता हो जाएगा। फिर मार्च के स्थान पर अप्रैल में समझौता होने की संभावना व्यक्त की गई, लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चिढ़े ट्रंप की ओर से सभी देशों पर पहले 10 और फिर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद व्यापार समझौते को लेकर संशय पैदा हो गया है। फिलहाल न तो यह कहा जा सकता है कि अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौता कब होगा और न ही यह कि इस समझौते की टैरिफ दरें क्या होंगी? यह ठीक है कि वाणिज्य मंत्रालय बदले हालात की समीक्षा कर रहा है, लेकिन बहुत कुछ ट्रंप प्रशासन के रवैये पर निर्भर करेगा, जिसके स्थिर रहने का ठिकाना नहीं। इन स्थितियों में भारत के लिए उचित यही होगा कि वह अन्य देशों से व्यापार समझौते संबंधी वार्ताओं को गति प्रदान करे। इसके अतिरिक्त ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ आदि के साथ जो व्यापार समझौते हो चुके हैं, उन्हें अंतिम रूप देने का काम यथाशीघ्र किया जाए। यह सही है कि भारत समेत अन्य देशों के लिए अमेरिका एक बड़ा बाजार है और उसके साथ व्यापार समझौता भारतीय कारोबारियों के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के हित में है, लेकिन भारत को अपने उत्पादों एवं सेवाओं की खपत के लिए अन्य विकल्प तलाशने का काम प्राथमिकता के आधार पर करते रहना चाहिए। इसमें इसलिए ढील देना उचित नहीं होगा कि अंततः अमेरिका से व्यापार समझौता होना ही है। भारत के हित में यही है कि उसके उत्पादों की खपत विश्व के अधिक से अधिक देशों में हो। भारत को अपने उत्पादों के लिए अमेरिका के अतिरिक्त अन्य देशों को अनुकूल बाजार के रूप में इसलिए भी खोजना चाहिए, क्योंकि इससे ही वह ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन के दबदबे को खत्म कर सकता है और उन देशों की आकांक्षा भी पूरी कर सकता है, जो भारत को चाइना प्लस वन रणनीति के तहत एक प्रमुख देश के रूप में देख रहे हैं। निःसंदेह यह सब तब संभव होगा, जब भारतीय कारोबारी अपने उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादकता विश्वस्तरीय बनाएंगे।

# राजस्थान में बसों के पहिए थमे, जिम्मेदारी भी ठहरी प्रशासन की सुस्ती से यात्री सड़कों पर

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

राजस्थान में निजी बस ऑपरेटर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल ने आमजन के सामने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब परिवहन व्यवस्था का बड़ा हिस्सा निजी हाथों में हो और वह अचानक ठप हो जाए, तो प्रशासन की वैकल्पिक तैयारी कहाँ है। जयपुर, कोटा, अजमेर, सीकर और उदयपुर सहित कई शहरों में सोमवार रात 12 बजे से निजी बसों का संचालन रुक गया। ऑपरेटर्स का दावा है कि प्रदेश की लगभग 35 हजार कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, स्टेज कैरिज और लोक परिवहन बसें बंद हैं, जिनसे प्रतिदिन 15 लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। यदि यह आंकड़ा सही है तो यह केवल हड़ताल नहीं, बल्कि प्रदेश की जीवनरेखा पर लगा ब्रेक है।

राजधानी जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड पर मंगलवार सुबह से लंबी कतारें दिखाई दीं। यात्री घंटों इंतजार करते रहे, कई को बसें नहीं मिलीं। रोडवेज बसों में ठसाठस भीड़ रही। पुलिसकर्मी यात्रियों को लाइन में चढ़ाने की कोशिश करते दिखे, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल लाइन लगवाना ही प्रशासनिक तैयारी कहलाता है। कोटा के बालाजी मार्केट बस स्टैंड से एक भी निजी बस नहीं निकली। सीकर में भी निजी बसें बंद रहीं। अजमेर में तो निजी बस ऑपरेटर्स ने 28 फरवरी को होने वाली प्रधानमंत्री की रैली के लिए भी बसें उपलब्ध न कराने की घोषणा कर दी। हालांकि जोधपुर में हड़ताल का असर सीमित रहा और कई निजी बसें सामान्य रूप से चलती रहीं, जिससे यह भी स्पष्ट होता है कि स्थिति पूरी तरह एकसमान नहीं है।

हड़ताल का कारण परिवहन विभाग की कार्रवाई को बताया जा रहा है। बस संचालकों का आरोप है कि आरसी सस्पेंड की जा रही हैं, भारी-भरकम चालान काटे जा रहे हैं, पुरानी गाड़ियों पर धारा 153 लगाई जा रही है, रास्ते में सवारियों से भरी बसों को खाली कराया जा रहा है और लगेज कैरियर लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही। यदि विभाग नियमों का पालन करवा रहा है तो पारदर्शिता के साथ संवाद क्यों नहीं हो पाया। यदि कहीं अति हो रही है तो उसका परीक्षण क्यों नहीं हुआ। सचिवालय में वार्ता के बावजूद सहमति न बन पाना प्रशासनिक संवादहीनता का संकेत है।

कटाक्ष यह है कि हमारे प्रशासनिक तंत्र को अक्सर संकट के बाद सक्रिय होते देखा जाता है। जब हजारों यात्री बस स्टैंड पर भटकने लगते हैं, तब अतिरिक्त बसों की घोषणा की जाती है। रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ी तो राउंड बढ़ाए जाएंगे। प्रश्न यह है कि जरूरत का आकलन पहले क्यों नहीं किया गया। यदि प्रदेश में 15 लाख से अधिक लोग प्रतिदिन निजी बसों से यात्रा करते हैं तो हड़ताल की आशंका भर से एक आपात योजना तैयार हो जानी चाहिए थी। केवल बयान जारी कर देना कि व्यवस्था कर ली जाएगी, पर्याप्त नहीं है।

उदयपुर में ट्रैवल्स एसोसिएशन के पदाधिकारी धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जिन बसों का रजिस्ट्रेशन विभाग ने किया, उन्हीं के परमिट निरस्त किए जा रहे हैं और फिटनेस रद्द की जा रही है। यदि यह सही है तो नीति और क्रियान्वयन में तालमेल की कमी स्पष्ट है। वहीं प्रशासन का पक्ष है कि नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह पर अड़े हैं, लेकिन पीस रहा है आम यात्री। होली और खाटूश्याम मेले के कारण पहले से ही भीड़ अधिक है। ऐसे समय में परिवहन ठप होना केवल असुविधा नहीं, बल्कि प्रशासनिक असंवेदनशीलता का उदाहरण बन जाता है।

प्रशासन की जवाबदेही केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं हो सकती। उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कानून लागू करते समय जनजीवन बाधित न हो। परिवहन विभाग को चाहिए कि वह स्पष्ट और लिखित गाइडलाइन जारी करे जिसमें यह बताया जाए कि किन परिस्थितियों में आरसी सस्पेंड होगी, किन मामलों में धारा 153 लगेगी, चालान की अधिकतम सीमा क्या होगी और अपील की प्रक्रिया क्या है। यदि नियम स्पष्ट और समान रूप से लागू होंगे तो विवाद की गुंजाइश कम होगी।

साथ ही एक संयुक्त समन्वय समिति बनाई जा सकती है जिसमें परिवहन विभाग, रोडवेज और निजी बस संघों के प्रतिनिधि शामिल हों, ताकि किसी भी कार्रवाई से पहले संवाद का रास्ता खुला रहे।

सरकार को यह भी समझना होगा कि निजी बसें केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि सार्वजनिक सेवा का हिस्सा हैं। यदि 35 हजार बसें बंद होती हैं तो उसका सीधा असर श्रमिकों, विद्यार्थियों, मरीजों और छोटे व्यापारियों पर पड़ता है। इसलिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अस्थायी परमिट जारी कर अतिरिक्त रोडवेज बसें चलाई जा सकती हैं। जरूरत पड़े तो पड़ोसी राज्यों से समन्वय कर बसों की अस्थायी तैनाती की जा सकती है। ऑनलाइन और ऑफलाइन सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए ताकि यात्रियों को पहले से पता हो कि कौन-सी बसें चल रही हैं और कौन-सी नहीं। बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएं और किराए में अनावश्यक बढ़ोतरी पर निगरानी रखी जाए।

प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि हड़ताल के दौरान किसी प्रकार का चक्का जाम या अवरोध आमजन के लिए नई समस्या न बने। कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण वार्ता को प्राथमिकता दी जाए। यदि कुछ अधिकारी अपनी कार्रवाई से अनावश्यक विवाद पैदा कर रहे हैं तो उनकी भी जवाबदेही तय हो। पारदर्शी जांच और समयबद्ध समाधान ही विश्वास बहाल कर सकते हैं।

निजी बस संचालकों की मांगें पूरी तरह सही हैं या नहीं, यह अलग विषय है, लेकिन यह तय है कि व्यवस्था का भार केवल यात्रियों पर नहीं डाला जा सकता। सरकार और प्रशासन को मिलकर ऐसी ठोस और दीर्घकालिक नीति बनानी होगी जिससे नियमों का पालन भी हो और सेवा भी बाधित न हो। परिवहन जैसी मूलभूत सुविधा को टकराव का माध्यम नहीं बनने दिया जा सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन सक्रिय, संवेदनशील और जवाबदेह बने, ताकि बसों के पहिए फिर चलें और जनता को राहत मिले।

(रु03 जलवन्त टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरीष्ठ पत्रकार,साहित्यकार-स्तम्भकार)

# कहीं आप भी पाप की पूंजी तो जमा नहीं कर रहे

क्या आपने कभी किसी के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठायी है। किसी कमज़ोर और लाचार को पिटता देखकर मदद के लिए आगे आएं हैं। अगर आपने ऐसा नहीं किया है तो समझ लीजिए आपने अपने खाते में पाप की पूंजी जमा कर ली है। जिस प्रकार से पाप और पुण्य को परिभाषित किया गया है उसके अनुसार जो व्यक्ति किसी को कष्ट में देखकर उसकी मदद नहीं करता है। किसी के भय से अथवा अपने स्वार्थ के कारण झूठ बोलता है और शरण में आये व्यक्ति की रक्षा नहीं करता है वह पापी है। इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है। एक थे राजा शिवि। इनके धार्मिक स्वभाव और दयालुता एवं परोपकार के गुण की ख्याति स्वर्ग में भी पहुंच गयी। इन्द्र और अग्नि देव ने योजना बनायी कि राशि शिवि के गुणों को परखा जाए। एक दिन अग्नि देव कबूतर बने और इन्द्र बाज। कबूतर उड़ता हुआ राजा शिवि की गोद में आकर बैठ गया और अपनी रक्षा के लिए प्रार्थना करने लगा। इसी बीज बड़ा सा बाज राजा शिवि के पास पहुंचा और कबूतर को वापस करने के मांग करने लगा। बाज ने कहा कि, कबूतर मेरा आहार है अगर आप मुझे वापस नहीं करेंगे तो आपको मुझे भूखा रखने का पाप लगेगा।

बाज की बातों को सुनकर राजा शिवि ने कहा कि कबूतर मैं तुम्हें नहीं दूंगा अगर कोई अन्य उपाय है तो बताओ। बाज ने कहा कि कबूतर के मांस के बराबर मुझे मांस दे दीजिए इससे मेरा काम हो जाएगा। राजा ने विचार किया कि एक जीव को बचाने के लिए दूसरे जीव का कष्ट देना पाप होगा। यही सोच कर राजा ने कबूतर को तराजू के एक पलडे में डाल दिया और अपने शरीर से मांस काटकर दूसरे पलड़े में रखने लगे। लेकिन काफी मांस रखने के बाद भी पलड़ा हिला तक नहीं। अंत में राजा शिव स्वयं दूसरे पलड़े पर बैठ गये और बाज से कहा कि तुम मुझे खाकर अपनी भूख शांत कर लो। राजा के इस दयालुता और शरण में आये हुए कि मदद करने की भावना को देखकर कबूतर अग्नि देव और बाज देवराज इन्द्र के रूप में प्रकट हुए। आसमान से फूलों की वर्षा होने लगी। देवराज इन्द्र ने कहा कि तुम ने धर्म की लाज रखी है। जो शरण में आये की रक्षा नहीं करता वह पापी है। कमज़ोर की सहायता न करने वाला भी अधर्मी है। दोनों देवताओं ने राजा शिवि को आशीर्वाद दिया और स्वर्ग चले गये।

## विचार मंथन

# कार्टेल के खिलाफ जंग और मेक्सिको की अग्निपरीक्षा

(लेखक - सनत जैन )

मेक्सिको में कुख्यात ड्रग सरगना नेमेंसियो ओसेगेरा सर्वांतेस उर्फ 'एल मेंचो' के मारे जाने की खबर के बाद हुई भारी हिंसा से मेक्सिको को अनिश्चितता के दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। आम जनता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करती नजर आई है। नशे के कारोबार में (सीजेएनजी) प्रमुख के रूप में ड्रग लॉर्ड को न केवल मेक्सिको, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का केंद्रीय चेहरा माना जाता था। मेक्सिको की सरकार इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। किंतु ड्रग सरगना के मारे जाने के तुरंत बाद भड़की आगजनी, हाईवे जाम और सुरक्षा कर्मियों पर हमले से यह सवाल उठता है, क्या किसी सरगना के मारे जाने पर जनता का विद्रोह इस रूप में देखने को मिल सकता है? एल मेंचो पर अमेंरिका की सरकार ने बड़ा इनाम घोषित किया था। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल से ही मेक्सिको पर ड्रग तस्करी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का दबाव अमेंरिका की सरकार बनाती रही है। फेंटानिल संकट ने अमेंरिका की आंतरिक राजनीति को झकझोर दिया है, इसका प्रभाव द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ना तय है।

मेक्सिको की हिंसा केवल आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि इसका असर अमेंरिका सहित अन्य देशों पर भी पड़ना तय है। यह घटना भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ी दिखती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या यह मेक्सिको की संप्रभु रणनीति का हिस्सा है, या अमेंरिकी दबाव का परिणाम है। इतिहास बताता है कि कार्टेल के शीर्ष नेता को मार देने से इस समस्या का हल नहीं होता है। इससे ड्रग के कारोबार, राजनीतिक एवं सामाजिक संबंधों में स्थिरता संभव नहीं है। 2016 में जोक्विन एल चापो गुजमान की गिरफ्तारी के बाद भी बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। आम जनता और सत्ता के बीच संघर्ष बढ़ा था। संगठित अपराध का नेटवर्क समानांतर व्यवस्था की तरह संचालित होता है। एक चेहरा हटता है, तो उसके कई दावेदार उभरते हैं। गैंग में वर्चस्व की लड़ाई आम नागरिकों की सुरक्षा और जीवन यापन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती है। एल मेंचो की मौत के बाद इस तरह की घटनाएं इसी आशंका को पुष्ट कर रही हैं। ड्रग कारोबार और राजनीतिक संरक्षण का मूल मेक्सिको, अमेंरिका एवं कई अन्य देशों तक फैला हुआ है। दशकों से मेक्सिको में फैली गरीबी, बेरोजगारी, राजनीतिक संघर्ष, भ्रष्टाचार और कमजोर तथा भ्रष्ट न्यायिक व्यवस्था से जुड़ता है। मेक्सिको के सीमावर्ती इलाकों में प्रशासनिक पकड़ हमेंशा से कमजोर रही है। नशे के कारोबारी और इससे जुड़े हुए लोगों की समानांतर सत्ता चलती है। नशे के कारोबार में लगे अपराधी तत्व जिस तरह से काम करते हैं, उससे स्थानीय कारोबारियों को वसूली के डर से नियंत्रण और सीमापार तस्करी इनके साधन हैं।

ऐसे में सैन्य कार्रवाई समाधान नहीं हो सकती है। मेक्सिको सरकार के लिए यह दोहरी चुनौती है। एक ओर सरकार के ऊपर तत्काल कानून-व्यवस्था बहाल कर नागरिकों में भरोसा कायम करना है, दूसरी ओर दीर्घकालिक सुधारों पर गंभीरता से काम करना होगा।

मेक्सिको में न्यायिक पारदर्शिता, गवाहों की सुरक्षा, नशे की कारोबार में नेटवर्क पर वित्तीय प्रहार और पुलिस सुधार अनिवार्य है। सरकार, पुलिस और प्रशासन के बीच का भ्रष्टाचार रोकना, संस्थागत ढांचे को मजबूत नहीं किया तो यह 卐जीत卐 अस्थायी साबित होगी। इसके साथ ही, इसका असर अमेंरिका में भी पड़ना तय है। अमेंरिका की सुरक्षा एजेंसियों और सरकार को भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। जब तक अमेंरिका में नशीली दवाओं की मांग बनी रहेगी, आपूर्ति के नए रास्ते और नए गिरोह समय-समय पर उभरते रहेंगे। नशे का कारोबार केवल मेक्सिको की समस्या नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इससे निपटने के लिए साझा जिम्मेंदारी जरूरी है। दबाव की नीति के बजाय सहयोग, खुफिया साझेदारी और सामाजिक पुनर्वास कार्यक्रमों पर ध्यान देना होगा। एल मेंचो का अंत प्रतीकात्मक जीत हो सकती है, असली परीक्षा तो अब शुरू होगी। यदि मेक्सिको में सुशासन और पारदर्शिता चाहिए तो भुखमरी और बेरोजगारी को दूर करने के लिए सामाजिक निवेश की ठोस रणनीति बनानी होगी। तभी नशे के कारोबार के गैंगस्टरों की छाया से मेक्सिको बाहर निकल पाएगा।

इतिहास खुद को दोहराने में देर नहीं करता है। नशे के कारोबार का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क है, इसमें भारी पैसा है। इस नेटवर्क को इस तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है, जिस तरह से अभी कार्रवाई की गई है। कार्यवाही के पश्चात जिस तरह के हालात मेक्सिको के बन गए हैं, उस चुनौती से निपटना सरकार की सबसे बड़ी चुनौती है। अमेरिका इस मामले में मेक्सिको की क्या मदद करता है, यह भी देखना होगा।

## चांदी दो दिन में 16 हजार महंगी, कीमत 2.67 लाख/किलो

**सोना 5 हजार बढ़ा, 10 ग्राम 1.60 लाख का हुआ**

**नई दिल्ली।** सोने-चांदी के दाम में मंगलवार, 24 फरवरी को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,283 रुपए बढ़कर 1,59,503 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,58,220 रुपए पर था। सोना 2 कारोबारी दिनों में 5 हजार महंगा हुआ है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,460 रुपए बढ़कर 2,66,535 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,075 रुपए किलो थी। इससे पहले भी चांदी 13 हजार रुपए महंगी हुई थी। यानी दो दिन में ये 16 हजार से ज्यादा बढ़ चुकी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26,000 रुपए और चांदी 36,000 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था। 2025 में सोना 57 हजार (75 प्रतिशत) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख (167 प्रतिशत) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई।

## भारत जर्मनी और कनाडा के साथ खनिज सहयोग समझौतों को दे सकता है मंजूरी

**नई दिल्ली ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में भारत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करने के लिए जर्मनी और कनाडा के साथ महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में संयुक्त आशय घोषणा को मंजूरी देने पर विचार कर रहा है। जर्मनी के साथ प्रस्तावित समझौते का मुख्य फोकस संयुक्त अन्वेषण, सतत खनन, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण होगा। यह भारत को लिथियम, कोबाल्ट, निकल और अन्य दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगा। भारत और कनाडा के बीच भी इसी तरह का समझौता प्रस्तावित है। इससे ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के लिए आवश्यक संसाधनों में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। यह कदम महत्वपूर्ण खनिज मिशन और *खनन एवं खनिज (विकास व विनियमन) संशोधन अधिनियम के तहत हाल की नीलामी के अनुरूप है।

## आरबीआई ने जारी किया सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के प्रीमैच्योर रिडेम्पशन कैलेंडर

**अगले 6 महीने में 33 सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स भुना सकेंगे निवेशक**

**मुंबई ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 23 फरवरी 2026 को सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) के समय से पहले रिडेम्पशन के लिए कैलेंडर जारी किया। यह सुविधा उन बॉन्ड पर लागू होगी जिनकी रिडेम्पशन तारीख 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच है। निवेशक 22 अक्टूबर 2021 के दिशानिर्देशों के अनुसार, जारी होने की तारीख से 5 साल पूरे होने पर एसजीबी समय से पहले भुना सकते हैं। आरबीआई के शेड्यूल के अनुसार 2018-19 से 2021-22 तक जारी 33 ट्रांच इस छह महीने की अवधि में प्रीमैच्योर रिडेम्पशन के लिए पात्र हैं। सबसे पहला ट्रांच 2018-19 सीरीज-2 है, जो 23 अप्रैल 2026 से भुनाई के लिए खुला रहेगा। आवेदन विंडो 23 मार्च से 13 अप्रैल 2026 तक रहेगी। आखिरी पात्र ट्रांच 2019-20 सीरी-10 है, जिसकी रिडेम्पशन 11 सितंबर 2026 होगी और आवेदन 11 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक होगा। निवेशक आरबीआई के अधिकृत कार्यालयों, डिपॉजिटरी या आरबीआई रिटेल डायरेक्ट प्लेटफॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आरबीआई ने कहा है कि अप्रत्याशित अवकाश पर तारीखों में बदलाव हो सकता है। निवेशकों को अपनी ट्रांच की सटीक आवेदन अवधि पर ध्यान देना जरूरी है।

# बायजूज़ अरबों डॉलर के वैल्यूएशन से कानूनी और वित्तीय संकट तक

**- ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से हुओ नुकसान**

**नई दिल्ली ।**

भारत की प्रमुख एड-टेक कंपनी बायजूज़ कभी 22 अरब डॉलर (लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये) के वैल्यूएशन तक पहुंची थी। कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती मांग ने कंपनी को तेजी से बढ़ने का अवसर दिया। बायजूज़ ने वैश्विक विस्तार, बड़े अधिग्रहण और ब्रांडिंग में भारी निवेश किया। महामारी के बाद फंडिंग सस्ती नहीं रही और निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ। ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने कंपनी की आय को प्रभावित किया। नवंबर 2021 में लिया गया 1.2 अरब डॉलर का टर्म लोन बायजूज़ के लिए चुनौती बन गया। तिमाही ब्याज भुगतान (330 करोड़ रुपए) में चूक के बाद विदेशी लेंडर्स ने अमेरिका में मुकदमा दायर किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत कंपनी के दफ्तरों पर छापे मारे और लगभग 9,362 करोड़ रुपए के कथित उल्लंघन का नोटिस जारी किया। इसके अलावा बायजूज़ और लेंडर्स के बीच समय से पहले भुगतान और कानूनी कार्रवाई को लेकर भी विवाद चल रहा है। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि 533 मिलियन डॉलर का फंड गायब है, जिससे कंपनी पर विवाद और बढ़ गया है। महामारी के समय में किए गए आक्रामक विस्तार और निवेश की रणनीति अब बायजूज़ के लिए बोझ साबित हो रही है।

## रुपया गिरावट के साथ बंद

**मुंबई ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 4 पैसे कि गिरावट के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे नीचे आकर 90.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों की खराब शुरुआत से स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला, हालांकि विदेशी निवेशकों के निवेश ने इसे सहारा दिया एवं तेज गिरावट को रोक दिया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला। फिर टूटकर 90.96 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को पांच पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.89 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 97.81 पर रहा।

## मोक्सी पावर ने तमिलनाडु में 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका हासिल किया

**- बिजली आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी**

**नई दिल्ली ।** अदाणी पावर की सहायक कंपनी मोक्सी पावर को तेमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन से पांच वर्षों के लिए 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी ने बोली में 5.910 रुपये प्रति यूनिट का सबसे प्रतिस्पर्धी शुल्क प्रस्तावित कर ठेका जीता। यह आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। मोक्सी पावर तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 1,200 मेगावाट क्षमता का संयंत्र संचालित करता है। अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनी है, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 18.15 गीगावाट है। संयंत्र की दोनों इकाइयों के पास बिजली आपूर्ति समझौते हैं, जिससे संचालन और राजस्व में स्थिरता बनी रहती है। अदाणी पावर की परिचालन क्षमता का 95 फीसदी से अधिक हिस्सा मध्यम से दीर्घकालिक अनुबंधों के तहत सुरक्षित है। कंपनी का लक्ष्य अगले वर्ष तक सभी परिचालित और जल्द चालू होने वाले संयंत्रों के लिए लगभग 100 फीसदी पीपीए हासिल करना है। यह रणनीति अल्पकालिक बाजार अस्थिरता के जोखिम को कम करती है और दीर्घकालिक राजस्व की स्पष्टता प्रदान करती है। इस ठेके से तमिलनाडु के उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाली बिजली उपलब्ध होगी। ग्रिड की स्थिरता मजबूत होगी और घरों, उद्योगों एवं व्यवसायों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। प्रतिस्पर्धी शुल्क पर बिजली उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा का लाभ मिलेगा।

# बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 1068 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे

**छह लाख करोड़ से अधिक का नुकसान**

**नई दिल्ली।**

भारतीय बाजार मंगलवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1068.74 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 82,225.92 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 288.35 अंक या 1.12 प्रतिशत गिरकर 25,424.65 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव व्यापक रहा, जिसमें मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक में करीब 1 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। तेज गिरावट के बीच निवेशकों की संपत्ति में भारी कमी आई। इससे निवेशकों को एक ही दिन में छह लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

एआई के संभावित प्रभाव के कारण तकनीकी शेयरों में कमजोरी का रुझान जारी है। भारतीय आईटी कंपनियों के एडीआर में कमजोरी यह संकेत देती है कि यह सेगमेंट दबाव में बना रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का आज बाद में होने वाला स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन और उसमें दिया जाने वाला संदेश वैश्विक बाजारों द्वारा उत्सुकता से देखा जाएगा।

इन कारणों से दिखी गिरावट

वैश्विक व्यापार और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर अनिश्चितता के बीच निवेशकों का मनोबल कमजोर बना रहा। यह कमजोरी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 10-15 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ ढांचे की घोषणा के बाद टैरिफ संबंधी चिंताओं के फिर से उभरने से उत्पन्न हुई है, जिससे वैश्विक आर्थिक विकास और कंपनियों की आय पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं।

# ईपीएफओ निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ जल्द लौटाएगी

**- 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना**

**नई दिल्ली ।**

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 7.11 लाख निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ रुपये जल्द खाताधारकों या उनके कानूनी वारिसों को लौटाने का फैसला किया है। यह पहल 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना का हिस्सा है। मंत्रालय के अनुसार, इनमें कुछ खाते 20 साल से पुराने हैं और पिछले तीन साल से इनमें कोई लेनदेन नहीं हुआ है। श्रम मंत्रालय ने इस योजना के तहत पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसमें ऐसे खातों को चुना गया है जिनमें 0 से 1,000 रुपये तक की राशि है और जो आधार से जुड़े हैं। ईपीएफओ सीधे इन खातों में पैसे ट्रांसफर करेगा। पायलट प्रोजेक्ट सफल होने पर बाकी निष्क्रिय खातों में भी इसी तरह राशि लौटाई जाएगी। निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी योजना है। इसमें कर्मचारी अपने मूल वेतन का 12 फीसदी योगदान करते हैं, जबकि नियोक्ता भी उतना ही योगदान करता है। यदि किसी खाते में तीन साल तक कोई लेनदेन नहीं होता तो उसे निष्क्रिय घोषित किया जाता है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईपीएफओ सदस्य अपना पैसा आसानी से निकाल सकें। हालांकि, छोटे-छोटे निष्क्रिय खातों में फंसी राशि प्रशासनिक जिम्मेदारियों और वित्तीय जवाबदेही में चुनौती पैदा करती है। हजारों करोड़ रुपये ऐसे निष्क्रिय खातों में फंसे हुए हैं क्योंकि लोग कम राशि निकालने के लिए आने-जाने की झंझट से बचते हैं। पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने पर, ईपीएफओ धीरे-धीरे बाकी निष्क्रिय खातों में भी यह प्रक्रिया लागू करेगा। इससे खाताधारकों का पैसा सुरक्षित तरीके से लौटाया जाएगा और निष्क्रिय खातों का बोझ भी कम होगा।

## केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन 1,500 एक्सपर्ट्स की करेगा नियुक्ति

**- लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे**

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) अब केवल कारखानों के निरीक्षण तक सीमित नहीं रहेगा। संगठन ने 1,500 वैज्ञानिक और विशेषज्ञों को नियुक्त करने की योजना बनाई है। ये विशेषज्ञ क्लिनिकल रिसर्च, बायोलॉजिक्स, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग और नियामकीय प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में काम करेंगे। इनमें से लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे। इस कदम का उद्देश्य दवा मंजूरी और निगरानी प्रक्रिया को वैज्ञानिक, तेज़ और प्रभावी बनाना है। सीडीएससीओ ने जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रक्रिया को तेज कर दिया है। निरीक्षण में उत्पाद की जोखिम स्थिति, पिछली अनुपालन स्थिति और खुफिया सूचनाओं को ध्यान में रखा जाता है। 2022 के अंत से अब तक 1,250 विनिर्माण इकाइयों का ऑडिट किया जा चुका है। स्टाफ की कमी के कारण अब निरीक्षण में अधिसूचित थर्ड-पार्टी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा। इससे निगरानी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। कफ सिरप निर्माण क्षेत्र बार-बार गुणवत्ता समस्याओं का केंद्र रहा है। देश में 1,300 कफ सिरप निर्माता हैं, जिनमें से लगभग 1,100 इकाइयों का निरीक्षण हो चुका है। गंभीर कमियों वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और कुछ को बंद करने का निर्णय लिया गया।

# बेंगलुरु में खुला अमेज़न का एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस

**12 मंजिला, 11 लाख वर्ग फुट का आधुनिक परिसर, एक साथ 7,000 कर्मचारी काम करेंगे**

**बेंगलुरु।** अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज एमेजान ने बेंगलुरु में अपना एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोलने की घोषणा की। नया परिसर 12 मंजिला और 11 लाख वर्ग फुट में फैला हुआ है। यह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मात्र 15 किलोमीटर दूर स्थित है और इसमें भारत में 7,000 से अधिक कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल और सहयोगी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। अमेज़न ने भारत में अब तक 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 2030 तक अतिरिक्त 35 अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। कर्नाटक के लघु एवं मध्यम उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री एम.बी. पाटिल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस निवेश से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा होंगी, स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। नए परिसर को टीम सहयोग, लचीलापन, सीखने और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कर्मचारियों के लिए बास्केटबॉल और पिकलबॉल कोर्ट, एम्फीथिएटर, हरे-भरे लॉन और सामुदायिक बाहरी क्षेत्र जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कैफेटेरिया दो मंजिलों पर फैला है और इसमें वैश्विक व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला परोसी जाती है। इस परियोजना में जिम्मेदार सामग्री स्रोत, कार्यालय संपत्तियों का पुन- उपयोग और उच्च दक्षता वाली प्रणालियाँ शामिल हैं, जिनका उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। यह पहल अमेज़न की दीर्घकालिक सतत विकास रणनीति का हिस्सा है। अमेज़न इंडिया के एक अे धिकारी के अनुसार, बेंगलुरु लंबे समय से कंपनी की तकनीकी और व्यावसायिक टीमों का घर रहा है और आज भी यह नवाचार और प्रतिभा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। नया ऑफिस कंपनी के भारत में निरंतर निवेश और विस्तार का प्रतीक है।

## पीएम सूर्य घर योजना 30 लाख घरों में रूफटॉप सौर इकाई स्थापित

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत फरवरी 2024 से अब तक देशभर में 30 लाख से अधिक घरों की छतों पर सौर ऊर्जा इकाई लगाई जा चुकी है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने यह जानकारी दी।

जोशी ने बताया कि जब एक करोड़ घरों में रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित हो जाएंगे, तो अनुमानित 1,000 अरब यूनिट नवीकरणीय बिजली का उत्पादन संभव होगा। इन इकाइयों के 25 साल के जीवनकाल में लगभग 72 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। मंत्री ने कहा कि यह योजना घरेलू बिजली बिल कम करने के साथ-साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत करेगी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरित परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। केंद्र सरकार का लक्ष्य 2026-27 तक देशभर में 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सौर इकाई स्थापित करना है, जिससे टिकाऊ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

## ऐपल ने भारत में पीएलआई योजना के तहत 2.5 लाख से अधिक नौकरियां दी

**नौकरियों में 70 प्रतिशत से अधिक 19-24 वर्ष की महिलाएं शामिल**

**नई दिल्ली ।**

क्यूपर्टिन मुख्यालय वाली एप्पल इंक ने पिछले पांच वर्षों में भारत में 2,50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। यह तेजी से बढ़ती संख्या मोबाइल-फोन विनिर्माण के लिए 2021 में शुरू हुई उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण संभव हुई। खास बात यह है कि इन नौकरियों में 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जिनमें कई की उम्र 19-24 वर्ष है और यह उनका पहला रोजगार अवसर है। आईफोन के दो मुख्य वेंडर, टाटा समूह और फॉक्सकॉन ने मिलकर लगभग 1,40,000 प्रत्यक्ष नौकरियां प्रदान की हैं, जो योजना के तहत प्रतिज्ञात 1,18,290 नौकरियों से अधिक है।

इसके अतिरिक्त 1,10,000 नौकरियां अन्य भारतीय, विदेशी और संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा दी गई हैं, जो मुख्य रूप से एमएसएमई क्षेत्र से जुड़ी हैं और आईफोन से संबंधित उपकरणों का उत्पादन करती हैं। इन कंपनियों का नेटवर्क भारत के उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, झारखंड, तमिलनाडु और कर्नाटक तक फैला हुआ है। ये कंपनियां मुख्य रूप से आईफोन असेंबली प्लांट को उपकरण और पुर्जे उपलब्ध कराती हैं, जबकि कुछ कंपनियां जैसे जाबिल और एक्रस सीधे ऐपल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में योगदान देती हैं। टाटा समूह के तीन आईफोन प्लांट लगभग 72,000 लोगों को रोजगार दे रहे हैं, वहीं फॉक्सकॉन के दो कारखानों में 70,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। पीएलआई योजना के प्रभाव से मोबाइल निर्माण में औसत मासिक वेतन 11,000 से बढ़कर 18,000-20,000 रुपए हो गया। अकेले ऐपल और इसके सहयोगी नेटवर्क में अनुमानित 7,50,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां उत्पन्न हुई हैं। भारत का स्मार्टफोन निर्यात 2025 में 30 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें आईफोन की हिस्सेदारी 23 अरब डॉलर रही।

## एनएमपी 2.0 का 16.72 लाख करोड़ मुद्रीकरण जुटाने का लक्ष्य

**- योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी**

**नई दिल्ली ।**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी 2.0) के दूसरे चरण का अनावरण करते हुए वित्त वर्ष 2026 से 2030 के बीच 16.72 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य घोषित किया। इस योजना का उद्देश्य केंद्र सरकार के मंत्रालयों और सार्वजनिक उपक्रमों की उत्पादक संपत्तियों के मुद्रीकरण के माध्यम से पूंजी जुटाना है। सरकार का कहना है कि इससे नई अवसंरचना परियोजनाओं और पूंजीगत व्यय के लिए संसाधन उपलब्ध होंगे, बिना राजकोषीय बोझ बढ़ाए।

नीति आयोग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार एनएमपी 2.0 में राजमार्ग, बिजली, बंदरगाह और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी। कुल लक्ष्य का एक-चौथाई से अधिक हिस्सा राजमार्ग क्षेत्र से आने की उम्मीद है, जबकि बंदरगाह, कोयला और खनिज क्षेत्रों से भी महत्वपूर्ण योगदान संभावित है। इस चरण में पहली बार पांच वर्षों के दौरान 5.8 लाख करोड़ रुपये के निजी निवेश का अनुमान जोड़ा गया है। वित्त वर्ष 2026 में 2.49 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, हालांकि वास्तविक प्राप्ति करीब 2 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

योजना में अस्थायी संपत्ति हस्तांतरण, सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी का विनिवेश और नकद प्रवाह का प्रतिभूतिकरण जैसे उपाय शामिल हैं। रेलवे को 2.62 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें सात सूचीबद्ध रेलवे पीएसयू में सरकारी हिस्सेदारी घटाकर 83,700 करोड़ रुपये जुटाने का प्रावधान है। सरकार को उम्मीद है कि एनएमपी 2.0 से बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

**कोलंबो (एजेंसी)।** मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है।

सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।'

पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे।

दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**श्रीलंका:** दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

**न्यूजीलैंड:** मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

# अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं।

कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा

# तिलक अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लायक नहीं : श्रीकांत

**-सैमसन को मिले अवसर**

**चेन्नई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि तिलक वर्मा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रहे। इसलिए अंतिम ग्यारह में उनकी जगह नहीं बनती है। श्रीकांत के अनुसार अभी के समय में तिलक को टीम में रखना फायदेमंद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी वह केवल एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव आ गया था। उन्हें ऐसे समय पर अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। , क्योंकि ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हो गए थे।

अब तक विश्वकप के पांच मैचों में तिलक 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक के आउट होने के तरीके से श्रीकांत नाराज हैं। उनका कहना है कि अब सुपर-8 के बचे हुए मैचों में संजू सैमसन को उनकी जगह शामिली किया जाना चाहिये। श्रीकांत ने कहा, ÷अगर सैमसन को 11 में आना है, तो तिलक के लिए कोई जगह नहीं है। कई अनय लोग भी तिलक के बल्लेबाजी के तरीके से हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने जो शॉट खेला, उसके लिए उन्हें 11 से बाहर किए जाने की पूरी संभावना है। यह काफी खराब शॉट था और ऐसा शॉट खेलने के बाद वह क्रीज पर टिके रहने के लायक नहीं थे।÷

श्रीकांत ने कहा कि विराट कोहली के संन्यास के बाद बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मुश्किल में आ जाती है।

# ब्रिस्बेन वनडे में टीम इंडिया की करारी हार, स्मृति मंधाना का अर्धशतक गया बेकार

**ब्रिस्बेन (एजेंसी)।** मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए वनडे द्विपक्षीय श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को छह विकेट से हरा दिया। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज में 1-2 से हार के बाद इस मैच में उतरी थी। उन्होंने मेहमान टीम को 214 रनों पर रोककर 215 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, कप्तान हीली ने फोएबे लिचफील्ड (32 गेंदों में 32 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की। श्री चरानी ने 11वें ओवर में अपनी टीम को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने इसी ओवर में जॉर्जिया वोल को भी आउट किया। आउट होने वाली कप्तान हीली ने 70 गेंदों में 50 रन बनाए। उन्होंने बेथ मूनी (79 गेंदों में 76 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। एनाबेल सदरलैंड (44 गेंदों पर 48 रन नाबाद) और गार्डनर (4 गेंदों पर 5 रन नाबाद) नाबाद रहीं और ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच

जिताने वाली इस शानदार पारी के लिए मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनते हुए, भारतीय महिला टीम ने पहले ही ओवर में अपना पहला विकेट खो दिया जब मेगन शट ने विकेट के सामने प्रतिका रावल को कैच दे दिया। शेफाली वर्मा एक रन पीछे बल्लेबाजी करने आईं और लय हासिल नहीं कर सकीं। उन्होंने 17 गेंदों में सिर्फ चार रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। डार्सी ब्राउन ने उन्हें आठवें ओवर में कैच आउट किया। जेमिमा रोड्रिग्स भी सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गईं। पावरप्ले खत्म होने के तुरंत बाद एशले गार्डनर ने उन्हें आउट कर दिया। बेथ मूनी ने विकेट के पीछे एक शानदार कैच पकड़ा।

स्मृति मंधाना ने 20वें ओवर में ताहलिया मैकग्राथ की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मैकग्राथ ने अपने अगले ओवर में मंधाना को 58 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने अपनी प्रभावशाली पारी में सात चौके लगाए। दीप्ति शर्मा क्रीज पर आईं और जल्द ही सिर्फ दो रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद ऋचा घोष कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ शामिल हुईं और दोनों ने छठे विकेट के लिए 37 रन जोड़े।

# आईपीएल की तरह बदलाव वाली नीति विश्वकप में नहीं चलती : अश्विन

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने टीम प्रबंधन की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार टी20 विश्वकप जीतने के लिए टीम प्रबंधन को आईपीएल वाली बदलाव की सोच से बाहर आना होगा। अश्विन ने कहा कि प्रबंधन ने जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर बिठाया वह समझ से परे हैं। साथ ही कहा कि ये सब आईपीएल में चलता पर विश्वकप में नहीं। अश्विन ने कहा कि इस प्रकार के बदलाव आईपील में इसलिए चलते हैं कयोंकि टीम को 14 गेम खेलने होते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंट में बदलाव कम से कम होने चाहिये और जितना आज टीम को स्थर रखते हैं उतना ही लाभ होता है। अश्विन ने साथ ही कहा, आपको नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने पिछले विश्व कप में किस प्रकार का प्रदर्शन किय था।

# धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइक ?स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले-डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में

ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो-स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया। इसका कारण है कि यह पुरानी टेक्नोलॉजी वाली बाइक थी और प्रदूषण के नये मानकों पर खरी नहीं उतरी। यह बाइक कस्टमाइज़ेशन के कारण काफी लोकप्रिय हुई है। इससे भारत में कभी भी आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया गया केवल ये आयात की गयी है। ये एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों की दुनिया में एक 'टाइम मशीन' की तरह है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 399सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन है। इस बाइक की ट्यूनिंग इस तरह की गई है कि यह कम रफ्तार पर भी काफी अच्छी चलती है। इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट का विकल्प भी नहीं है और किक से स?टार्ट होती है। ये ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी काफी अच्छे से चलती है। इसमें सिग्नेचर टीयरड्रॉप फ्यूल टैंक, गोल हेडलाइट और चमकता हुआ क्रोम एग्जॉस्ट दिया गया है। ये बाइक 130-140 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक जा सकती है।

# गंभीर की पॉलिटिक्स ने टीम इंडिया की इमेज को नुकसान पहुंचाया, पूर्व पाक बल्लेबाज का बड़ा बयान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीम पर सवाल उठने लगे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज अहमद शहजाद ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पर तीखी टिप्पणी की है। शहजाद का दावा है कि गंभीर की राजनीतिक पृष्ठभूमि का असर टीम के माहौल पर पड़ा है। साथ ही उन्होंने चयन फैसलों और संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

### सुपर 8 हार के बाद बढ़ा दबाव

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली बड़ी हार ने भारतीय खेमे में चिंता बढ़ा दी है। इस हार के बाद सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो सकती है, जिससे कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजमेंट पर दबाव साफ दिख रहा है। कुछ चयन फैसलों ने भी बहस को जन्म दिया। अहम मुकाबले में अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका देने पर फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

### पॉलिटिक्स टीम में भी आ गई : शहजाद

अहमद शहजाद ने कहा कि 2019 से

2024 के बीच राजनीति में सक्रिय रहने के दौरान गंभीर का दृष्टिकोण बदल गया। उनका इशारा उस समय की ओर था जब गंभीर सांसद रहे। शहजाद का मानना है कि राजनीति का असर अब टीम प्रबंधन में भी दिखाई दे रहा है। उनके मुताबिक, किसी भी खेल में सफलता के लिए पूर्ण फोकस जरूरी होता है, और अगर ध्यान बंटे तो उसका असर टीम के माहौल पर पड़ सकता है।

### कुलदीप यादव को लेकर उठे सवाल

शहजाद ने यह भी कहा कि टीम अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं कर रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कुलदीप यादव का जिक्र किया, जिन्हें टूर्नामेंट में सीमित मौके मिले हैं। उनका कहना था कि कुलदीप जैसे मैच-विनर स्पिनर को लगातार बाहर रखना समझ से परे है। टी20 फॉर्मेट में विविधता और विकेट लेने की क्षमता बेहद अहम होती है, और कुलदीप उस भूमिका को निभा सकते हैं।

### कप्तान के साथ विवाद की चर्चा

शहजाद ने एक कथित घटना का भी जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और कुलदीप के बीच कहासुनी की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में दोनों खिलाड़ियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी अनबन से इनकार किया। फिर भी शहजाद का मानना है कि कुलदीप को बाहर रखने के पीछे कोई और कारण हो सकता है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

### चयन और रणनीति पर बहस

टीम इंडिया के चयन और रणनीति को लेकर चर्चा तेज है। आलोचकों का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट में टीम कॉम्बिनेशन का संतुलन बेहद अहम होता है। स्पिन विकल्पों और ऑलराउंडर्स के बीच सही तालमेल बनाना जीत की कुंजी साबित हो सकता है। इसके बावजूद यह भी तथ्य है कि गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हालिया बाइलेटरल सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है।

# एफआई प्रो लीग में स्पेन ने भारतीय हॉकी टीम को हराया

होबार्ट । स्पेन ने एफआई एच प्रो लीग के ऑस्ट्रेलियाई चरण में भारतीय हॉकी टीम को शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। दोनो टीमों के बीच तय समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा पर इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में स्पेन ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपना पर गोल नहीं कर पायीं। 19वें मिनट में कप्तान हार्दिक सिंह के एक पास पर मनिंदर सिंह ने गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। वहीं तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने जबरदस्त प्रहार किये पर भारतीय रक्षा पंक्ति और गोलकीपर ने बचाव कर लिया। इसके बाद भारतीय टीम ने भी जवाबी हमले किये। स्पेन के ब्रूनो फॉन्ट ने अंतिम क्षणों में शानदार गोल दागकर मुकाबले को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं इसके बाद हुए शूटआउट में भारत के अभिषेक और हार्दिक सिंह गोल नहीं कर पाये जिससे स्पेन ने 4-3 से मुकाबला जीत लिया।

# बीसीएल में खेलते नजर आयेंगे धवन

मुम्बई। हाल में आयरलैंड की सोफी शाइन से दूसरी शादी करने वाले पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन अब बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते नजर आएंगे। धवन बीसएल के दूसरे सत्र में 'यूपी ब्रिज स्टार्स' की ओर से खेलेंगे। धवन जैसे अनुभवी क्रिकेटर का लाभ टीम के युवाओं को मिलेगा। इससे पहले इसे लीग के पहले सत्र में भी धवन ने अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया था। बिग क्रिकेट लीग का आयोजन ग्रेटर नोएडा के खेल परिसर में होगा। ये टूर्नामेंट 11 मार्च से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला 22 मार्च को खेला जाएगा। यूपी ब्रिज स्टार्स प्रबंधन को उम्मीद है कि धवन की कप्तानी में टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज करेगी। उनके रहने से से युवा खिलाड़ियों को भी सीखने का काफी अवसर मिलेगा। बीसएल एक ऐसा टूर्नामेंट हैं जिसमें गली-मोहल्लों में खेलने वाले प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने का अवसर मिलता है। इस लीग में डॉक्टर, इंजीनियर, दुकानदार, वकील, किसान या किसी भी अन्य पेशे से जुड़ा व्यक्ति खेल सकता है। खास बात ये है कि आम खिलाड़ियों को भी अंतररष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलता है।

# जब हम वेस्टइंडीज से खेलेंगे तो नेट रन-रेट जरूर मायने रखेगा : पार्थिव पटेल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 मैच में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपट 'पार्थिव पटेल ने भारत की हार, पावरप्ले में उनकी बैटिंग को लेकर चिंताओं और ज़िम्बाब्वे के खिलाफ अगले मैच के लिए प्लेइंग ढ्ढ में संभावित बदलावों का विश्लेषण किया।

पार्थिव पटेल ने भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की जीत पर कहा, '12 मैचों की जीत का सिलसिला पक्का खत्म हो गया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर क्रिकेट खेला। मुझे लगा कि उन्होंने बहुत अच्छे से प्लान बनाया था और अपनी स्ट्रेटेजी को बहुत अच्छे से एग्जीक्यूट किया। हालांकि, हार का मार्जिन काफी है, और नेट रन-रेट निश्चित रूप से तब काम आएगा जब हम 1 मार्च को कोलकाता में वेस्ट इंडीज का सामना करने जाएंगे। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ी जीत है, और यह सभी मुश्किलों के बावजूद मिली, यह देखते हुए कि इंडियन टीम जिस तरह से खेल रही थी। आपको दक्षिण अफ्रीका को क्रेडिट देना होगा। हां, उन्हें कुछ समय के लिए अहमदाबाद में खेलने का फायदा मिला, लेकिन यह हमारा घर है। जाहिर है, भारतीय टीम वापस जाकर यह देखना चाहेगी कि क्या उन्होंने चीजों को सिंपल रखने के बजाय उन्हें कॉम्प्लिकेटेड बना दिया था।'

पावरप्ले में भारत को जरूरी शुरुआत नहीं मिलने पर पार्थिव पटेल ने कहा, 'सिर्फ इस गेम में ही नहीं, बल्कि नामीबिया या अमेरिका और पाकिस्तान के खिलाफ भी, हालांकि वह बैटिंग के लिए मुश्किल विकेट था, लेकिन जल्दी विकेट खोना भारत के लिए चिंता की बात रही है। जिस तरह से भारत ने पावरप्ले में विकेट खोए हैं, खासकर ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ, वह चिंता की बात है। इस बार यह मार्करम के लिए था। वे बहुत ज़्यादा शॉट खेल रहे हैं, एंगल के खिलाफ जा रहे हैं। शायद वे बैटिंग ऑर्डर में थोड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं, खासकर टॉप पर तीन लेफ़्ट-हैंडर होने पर। वे सूर्यकुमार को नंबर तीन पर भेज सकते थे। मुझे लगा कि भारत इस गेम में ऐसा कर सकता था। जब आप हाई-रिस्क, हाई-रिवॉड 'वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसे दिन आना तय है।'

पटेल ने संजू सैमसन की प्लेइंग ढ्ढ में वापसी पर कहा, 'मैं अक्षर पटेल को टीम में वापस आते देखना चाहूंगा। उन्होंने पहले भी अहम पारियां खेली हैं। हां, मैच-अप की भी अहमियत है, लेकिन मैं अक्षर पटेल को जरूर लाऊंगा। संजू सैमसन का भी सवाल है। चेन्नई में अब उनकी घर वापसी भी हो सकती है। यह कुछ ऐसा है जिस पर भारत जरूर विचार करेगा, खासकर यह देखते हुए कि भारतीय लेफ्ट-हैंडर ऑफ-स्पिनर के खिलाफ बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं। जब आप जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हैं, तो सिकंदर रजा भी पावरप्ले में काम आ सकते हैं। मैं तिलक की जगह संजू सैमसन को नहीं उतारूंगा। हां, संजू सैमसन भी

अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। या शायद, भारत बैटिंग ऑर्डर बदलने की कोशिश कर सकता है, फिर सूर्या को नंबर तीन पर बैटिंग करनी होगी।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### कैलिफोर्निया हिमस्खलन में नौ स्कीयरों के शव बरामद

**सिएरा, एजेंसी।** कैलिफोर्निया की सिएरा नेवादा पर्वतमाला में आए भीषण हिमस्खलन के बाद बचाव दलों ने नौ बैककंट्री स्कीयरों के शव बरामद कर लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, हादसा लेक ताहो के पास कैसल पीक क्षेत्र में हुआ था। नेवादा काउंटी शेरिफ शैनन मून ने बताया कि कई एजेंसियों और 42 स्वयंसेवकों की मदद से अभियान पूरा किया गया। मृतकों में ब्लैबर्ज माउंटेन कंपनी के तीन गाइड, एंड्रयू अलिसांद्राटोस (34), निकोल चू (42) और माइकल हेनरी (30) शामिल हैं।

### रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले की कोशिश, 11 ड्रोन मारे

**मॉस्को, एजेंसी।** रूस की राजधानी मॉस्को पर रविवार को ड्रोन हमले की कोशिश की गई। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने एक घंटे के भीतर 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इसके बाद सुरक्षा कारणों से मॉस्को के चारों अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए। रूसी सिविल एविएशन एजेंसी ने बताया कि डोमोडेदोवो, व्नुकोवो, झुकोव्स्की और शेरेमेत्येवो एयरपोर्ट अस्थायी तौर पर बंद किए गए हैं। अगली सूचना तक उड़ानों की आवाजाही रोकी गई है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि एयर डिफेंस ने मॉस्को की ओर बढ़ रहे एक और ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। इसके साथ ही गिराए गए ड्रोन की कुल संख्या 11 हो गई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लगभग चार साल पूरे होने वाले हैं। रूस का आरोप है कि यूक्रेन उसके विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर राजधानी मॉस्को, पर ड्रोन हमले करता है। वहीं रूस भी यूक्रेन पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है।

### जापान के सम्राट ने 3/11 आपदा पीड़ितों की पीड़ा पर जताई चिंता

**टोक्यो, एजेंसी।** जापान के सम्राट नारुहितो ने अपने 66वें जन्मदिन के अवसर पर 2011 के भूकंप, सुनामी और परमाणु दुर्घटना के पीड़ितों के जख्म अब तक नहीं भरने पर चिंता व्यक्त की। 11 मार्च की बरसी से कुछ सप्ताह पहले जारी टिप्पणी में उन्होंने कहा कि पुनर्निर्माण की प्रक्रिया अभी अधूरी है। सम्राट नरुहितो ने पिछले सप्ताह दिए गए अपने संदेश में कहा, 'बुनियादी ढांचे की बहाली में प्रगति हुई है, लेकिन आजीविका और समुदायों के पुनर्निर्माण पर अभी भी काम किए जाने की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया और जिनकी जीवन परिस्थितियां पूरी तरह बदल गईं, उनके बारे में सोचकर मुझे लगता है कि उनके घाव अब तक नहीं भरे हैं। समय बीतने के बावजूद वे दर्द आज भी कायम हैं।' जन्मदिन के अवसर पर सम्राट नरुहितो, महारानी मासाको, उनकी पुत्री राजकुमारी अइको और छोटे भाई क्राउन प्रिंस अकिशिनो के साथ शाही महल की बालकनी में आए और हाथ हिलाकर शुभकामनाएं देने पहुंचे नागरिकों का अभिवादन किया। लोग 'राइजिंग सन' के छोटे-छोटे झंडे लहराकर उनका स्वागत कर रहे थे। वर्ष 2011 की विनाशकारी आपदा में आए भीषण भूकंप और सुनामी से लगभग 20 हजार लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग बेघर हो गए थे। इस आपदा के कारण फुकुशिमा दाइची परमाणु प्लांट में परमाणु रिएक्टर पिघलने (मेल्टडाउन) की घटना भी हुई थी। रेडिएशन के कारण खाली कराए गए अधिकांश इलाकों को दोबारा खोल दिया गया है, लेकिन रोजगार और सामुदायिक ढांचे की कमी के चलते बड़ी संख्या में लोग अब तक वापस नहीं लौटे हैं।

### नेपाल में तय समय पर ही होंगे आम चुनाव, मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले- चुनाव रोकने की खबर गलत

**काठमांडो, एजेंसी।** नेपाल के कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) रामप्रसाद भंडारी ने कहा कि आगामी चुनाव देश में सुशासन स्थापित करने और संविधान की रक्षा के लिए अनिवार्य हैं। किसी भी स्थिति में मतदान प्रक्रिया नहीं रुकेगी। काठमांडो में रविवार को भंडारी ने कहा कि चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद तरह-तरह की शंकाएं और अफवाहें फैलाई जा रही हैं लेकिन इससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में चुनाव का कोई विकल्प नहीं होता। कुछ असंतुष्ट तत्व चुनाव टलने की आशंका फैलाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन नेपाली जनता ऐसे भ्रम का हिस्सा नहीं बनेगी। भंडारी ने कहा कि पांच मार्च को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा। उन्होंने कहा कि सुशासन की अपेक्षा रखने वाले नागरिकों को गुमराह कर अस्थिरता पैदा करने के प्रयास सफल नहीं होंगे। मीडिया से अपील करते हुए भंडारी ने मतदान से पहले मत सर्वेक्षण नहीं करने का आग्रह किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव पूर्व ऐसे सर्वे मतदाताओं की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं और इससे चुनाव की निष्पक्षता पर असर पड़ता है। नेपाल में मधेश प्रांत की गौर नगरपालिका में सांप्रदायिक झड़पों के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। हालात को देखते हुए कर्फ्यू बरकरार है।

# नेपाल-बस हाईवे से नदी में गिरी, 18 की मौत

## 25 घायल, मरने वालों में 2 विदेशी नागरिक, कंट्रोल खोने से हादसा

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं।

आर्म्ड पुलिस फोर्स के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

बस पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी, तभी किसी कारण ड्राइवर का बस से नियंत्रण खो गया और बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा देर रात करीब रात 1:30 बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग इलाके में हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की अन्य वजहों की भी जांच कर रही है।

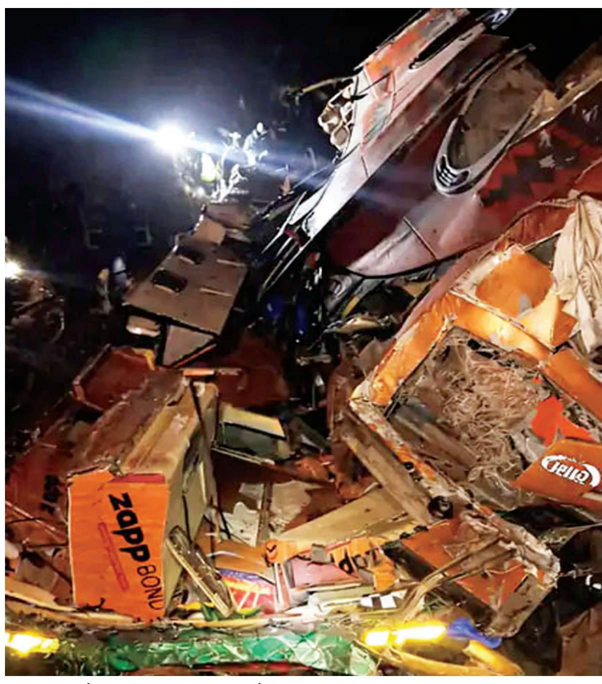

### हादसे के समय बस में 44 लोग सवार थे

मरने वालों में 12 पुरुषों और 6 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में कुल 44 यात्री सवार थे। घायल 26 यात्रियों को बचा लिया गया है। कुछ का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जबकि अधिकांश को आगे के इलाज के लिए काठमांडू रैफर कर दिया गया है। यह दुर्घटना आधी रात को होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हुई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर बचाव कार्य किया।

### बारातियों से भरी बस खाई में गिरी थी

इससे पहले नेपाल के बैतड़ी जिले में 5 फरवरी को बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी थी। हादसे में 13 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए थे।

बस गांव से दुल्हन लेकर सुनकुड़ा जा रही थी। बस एक मोड़ पर चढ़ाई के दौरान अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ था। वहीं, साल 2024 में लैंडस्लाइड की वजह से दो बसें त्रिशूली नदी में बह गई थीं। दोनों बसों में चालकों समेत 63 लोग सवार थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में 7 भारतीयों और एक बस चालक की मौत हुई।

### भगवान शिव के त्रिशूल से जुड़ी है त्रिशूली नही

त्रिशूली नदी नका नाम भगवान शिव के त्रिशूल से आया है। इसके पीछे एक प्रचलित कथा है कि गोसाइकुंडा (एक पवित्र जगह) में शिव जी ने अपना त्रिशूल जमीन में गाड़ा, जिससे तीन झरने निकले और ये नदी बनी। ये तिब्बत (चीन) के ग्यिरोंग काउंटी में शुरू होती है। वहाँ दो नदियाँ - क्यिरोंग त्सांगपो और लेंदे खोला से मिलकर त्रिशूली बनाती हैं। नेपाल में ये रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, चितवन जैसे जिलों से गुजरती है।

पृथ्वी हाईवे के साथ-साथ बहती है, जो काठमांडू और पोखरा को जोड़ता है। आखिर में ये नारायणी नदी (गंडकी नदी) में मिल जाती है। इसकी लंबाई लगभग 200 किलोमीटर है। पुराने समय में ये काठमांडू वैली और तिब्बत के बीच व्यापार का मुख्य रास्ता था। ये नदी स्थानीय लोगों के लिए पानी, सिंचाई, मछली पकड़ने और संस्कृति का हिस्सा है। पर्यटन (राफ्टिंग, ट्रेकिंग) से भी अर्थव्यवस्था को फायदा होता है।

नदी के किनारे कई रिजॉर्ट्स, होटल और गांव हैं, जहां बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। ये इलाका बौद्ध और हिंदू संस्कृति का मिश्रण है। हालांकि, मानसून में तेज बहाव, लैंडस्लाइड के कारण और यहां कई दुखद घटनाएँ हुई हैं।

# मुझे अंधेरे में रखा; मुहम्मद यूनुस पर फायर हुए बांग्लादेश के राष्ट्रपति, हालात बदलते ही बदले जज्बात

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का कार्यकाल खत्म होते ही और आम चुनाव के बाद नई सरकार गठित होने ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के जज्बात भी बदल गए हैं। इतने दिनों से मोहम्मद यूनुस की अगुआई में चल रही बाग्लादेश की अंतरिम सरकार पर उन्होंने एक भी सवाल नहीं उठाया। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होते रहे और भारत के साथ रिश्ते खराब करने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई। अब शहाबुद्दीन कह रहे हैं कि मोहम्मद यूनुस ने उन्हें अंधेरे में रखा था।

### राष्ट्रपति को अलग-थलग करने में जुटे थे यूनुस

बांग्लादेश की मीडिया के मुताबिक राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा कि मोहम्मद यूनुस ने ना तो कभी संस्थानों के बीच समन्वय पर ध्यान दिया और ना ही वह किसी भी फैसले को लेकर उन्हें कोई जानकारी देते थे। राष्ट्रपति ने कहा कि यहां तक कि विदेश दौरे की भी जानकारी उन्हें नहीं होती थी। विदेश नीति से संबंधित कोई भी सूचना राष्ट्रपति तक पहुंचती ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि उन्हें अलग-थलग करने के लिए सारी राजनीतिक हथकंडे अपनाए जा रहे थे।

### विदेश दौरे पर नहीं लेते थे सलाह

शहाबुद्दीन ने कहा कि सरकार को जरूरी फैसले राष्ट्रपति की सलाह से करने चाहिए लेकिन मोहम्मद यूनुस खुद ही सारे फैसले कर लेते थे। संविधान यह भी कहता है कि विदेश दौरे पर जाते समय राष्ट्रपति को जानकारी देनी चाहिए और लौटने के बाद इसके परिणामों पर चर्चा होनी चाहिए। कार्यकाल के दौरान वह 14 से 15 बार विदेश गए लेकिन एक बार भी उनकी सहमति नहीं ली गई।

राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा, अगर किसी अन्य देश के साथ कोई समझौता होता है तो इसकी जानकारी राष्ट्रपति को होनी चाहिए लेकिन मुझे कुछ पता ही नहीं चलता था। ना तो कभी मौखिक और ना ही लिखित रूप में कोई सूचना दी गई। उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस को मुख्य सलाहकार बनाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इसके बाद भी वह मुझे नजरअंदाज ही करते थे। वह मुझसे मिलने कभी आए ही नहीं, ऊपर से मुझे अंधेरे में रखते थे।

# मैक्सिको में बढ़ती हिंसा के बीच भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, नागरिकों से घर में रहने की सलाह

**मैक्सिको , एजेंसी।** मैक्सिको में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा अभियानों के बीच भारत के दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने, भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने और फिलहाल घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी है।

**एल मेंचो की मौत से भड़की हिंसा :** यह एडवाइजरी उस सैन्य कार्रवाई के बाद जारी की गई है, जिसमें मैक्सिको के सबसे कुख्यात ड्रग कार्टेल सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा केरवेंटेस उर्फ एल मेंचो को मार गिराया गया। वे जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (ष्ट्छ्ठ्ल) का प्रमुख थे। मेंचो मैक्सिको व अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल थे। मैक्सिकन सेना ने पश्चिमी राज्य जलिस्को में एक ऑपरेशन के दौरान उन्हें ढेर किया।

**अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह :** भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जलिस्को राज्य (प्यूर्टो वल्लार्ता, चापाला और ग्वाडलाहारा), तामाउलिपास राज्य (रेनोसा सहित अन्य नगरपालिकाएं), मिचोआकान, गुएरेरो और नुएवो लियोन के कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा अभियान, सड़क अवरोध और आपराधिक गतिविधियां जारी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। दूतावास ने नागरिकों को कानून-व्यवस्था से जुड़े अभियानों के आसपास के इलाकों से दूर रहने, स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। आपात स्थिति में 911 पर संपर्क करने की सलाह भी दी गई है। साथ ही भारतीयों से अपने परिवार और मित्रों को अपनी स्थिति की जानकारी नियमित रूप से देते रहने की सलाह दी गई है।

# बेटी नहीं, पार्टी के शीर्ष पद पर चुने गए किम जोंग उन

**प्योंगयाग, एजेंसी।** तमाम अटकलों के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के शीर्ष पद पर फिर से निर्वाचित किया गया है। बीते कुछ समय से चर्चा चल रही थी कि किम जोंग उन अपनी बेटी को पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। हालांकि ऐसा नहीं हुआ है। किम जोंग उन ने एक बार फिर अमेरिका को आंख दिखाते हुए देश में परमाणु हथियारों को और मजबूत करने का ऐलान किया है। गुरुवार से शुरू हुई पार्टी कांग्रेस में किम अगले पांच वर्षों के लिए अपने प्रमुख राजनीतिक और सैन्य लक्ष्यों की रूपरेखा पेश कर सकते हैं। संकेत मिल रहे हैं कि वह परमाणु कार्यक्रम को और तेज करने पर जोर देंगे। उत्तर कोरिया के पास पहले से ही ऐसी मिसाइल मौजूद हैं जो एशिया में अमेरिकी सहयोगियों और अमेरिकी मुख्य भूमि तक को निशाना बना सकती हैं।

**हर पांच वर्ष में होते हैं चुनाव :** विश्लेषकों का मानना है कि किम पारंपरिक सैन्य बलों को मजबूत करने और उन्हें परमाणु क्षमताओं के साथ एकीकृत करने के नए लक्ष्य घोषित कर सकते हैं। साथ ही वह चीन के साथ व्यापार में सुधार और रूस को हथियार निर्यात से मिली आर्थिक बढ़त के बीच ''आत्मनिर्भरता'' अभियान पर भी पुनः जोर दे सकते हैं। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि हजारों प्रतिनिधियों की ''एकमत इच्छा'' से किम को पार्टी का महासचिव चुना गया। वर्ष 2016 से हर पांच वर्ष में आयोजित इस कांग्रेस में शीर्ष नेता का चुनाव होता है।

**अमेरिका और दक्षिण कोरिया से तनाव :** जानकारों का अनुमान है कि किम दक्षिण कोरिया के प्रति अपने कड़े रुख को और संस्थागत रूप दे सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ 2019 में वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया का अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ कूटनीतिक संवाद ठप है। किम ने दक्षिण कोरिया को 2024 में स्थायी दुश्मन घोषित कर संबंधों को और तनावपूर्ण बना दिया था।

**रूस से करीबी :** किम जोंग उन यूक्रेन युद्ध में रूस का खुलकर साथ दे रहे हैं। उन ने हजारों सैनिकों को भी रूस की तरफ से युद्ध में उतारा है। वह रूस की यात्रा भी कर चुके हैं। जानकारों का कहना है कि रूस और उत्तर कोरिया मिलकर अपनी सेना को मजबूत करने और परमाणु हथियारों को बनाने पर जोर दे रहे हैं।

अटकलें थीं कि किम जोंग उन अपनी 16 साल की बेटी को पार्टी का महासचिव बना सकते हैं। बीते दिनों वह किम जोंग उनके साथ नजर आई थीं। हालांकि किम की बेटी किम जू ए अभी नाबालिग हैं। जानकारी के मुताबिक किम जू एक, किम जोंग उन की पत्नी री सोल जू के तीन बच्चों में तीसरे नंबर पर हैं। वैसे तो किम जोंग उन अपने परिवार को सार्वजनिक रूप से सामने नहीं लाते हैं लकिन उनकी बेटी कई बार उनके साथ दिख चुकी है। फरवरी में उनकी तस्वीरें डाक टिकट पर भी छपी थीं।

**परमाणु कार्यक्रम पर जोर :** विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी परमाणु और मिसाइल नीति को और तेज करेंगे। उत्तर कोरिया पहले ही ऐसे मिसाइल विकसित कर चुका है जो एशिया में अमेरिका के सहयोगी देशों और अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंच सकते हैं। पार्टी ने दावा किया कि परमाणु ताकत ने देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है और जनता का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

# ईरान के विश्वविद्यालयों में दूसरे दिन भी सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी, अमेरिका से तनाव के बीच बिगड़े हालात

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के दो बड़े शहरों तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालय परिसरों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्र समूहों और मानवाधिकार संगठनों के अनुसार कम से कम सात विश्वविद्यालयों में छात्र इकट्ठा हुए और नारेबाजी की। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बावजूद छात्रों ने परिसर में प्रदर्शन जारी रखा। यह नया विरोध ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

बताया जा रहा है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही शनिवार से प्रदर्शन फिर तेज हुए। रविवार को कई छात्रों ने काले कपड़े पहनकर पहले हुए प्रदर्शनों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित कई संस्थानों में छात्रों की भीड़ देखी गई।

**पहले भी हुआ था बड़ा दमन :** जनवरी में हुए देशव्यापी प्रदर्शनों को सुरक्षा बलों ने सख्ती से दबा दिया था। अधिकार समूहों का दावा है कि हजारों लोग मारे गए और करीब 40 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। ईरानी सरकार ने कहा था कि 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिनके लिए उसने इस्राइल और अमेरिका समर्थित तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। उस समय प्रदर्शनकारियों ने सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के शासन को समाप्त करने की मांग की थी।

**सरकार की चेतावनी :** हालिया प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार ने औपचारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सरकारी मीडिया ने परिसरों में तनाव की खबरें दी हैं। तेहरान विश्वविद्यालय के एक अधिकारी हुसैन गोलदानसाज ने छात्रों को 'उग्र नारे' और हिंसा से दूर रहने की चेतावनी दी। सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ा दी गई है।

**अमेरिका से बढ़ता तनाव :** यह विरोध उस समय हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत जारी है। ओमान की मध्यस्थता में दोनों देशों की वार्ता स्विट्जरलैंड में फिर शुरू होने वाली है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि समाधान संभव है, लेकिन ईरान यूरेनियम संवर्धन का अधिकार नहीं छोड़ेगा। क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति भी बढ़ाई गई है।

### ट्रम्प के रिजॉर्ट में घुस रहे युवक को गोली मारी,मौत

# गन और फ्यूल केन लेकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजॉर्ट में घुसने की कोशिश करने वाले एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार आधी रात 1:30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शॉटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नॉर्थ कैरोलीना का रहने वाला था। फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं।

सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रिजॉर्ट के नॉर्थ गेट से एक कार के बाहर निकल रही थी, इसी दौरान युवक ने अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पास शॉटगन और फ्यूल केन थी। सीक्रेट सर्विस के दो एजेंट्स ने उसे रोका और उससे हथियार और केन गिराने को कहा गया। युवक ने केन तो रख दिया, लेकिन शॉटगन को गोली चलाने की पोजिशन में उठा लिया। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने गोली चलाई और वह मारा गया। जांच में पता चला कि उसके परिवार ने कुछ दिन पहले उसे लापता होने की रिपोर्ट की थी। वह नॉर्थ कैरोलीना से साउथ की ओर आया था और रास्ते में शॉटगन खरीदा। उसकी कार में गन का डिब्बा मिला है। ट्रम्प की सुरक्षा में पहले भी चूक हो चुकी है। 13 जुलाई 2024 में ट्रम्प को एक रैली के दौरान एक हमलावर ने गोली मार दी थी। उस वक्त वे राष्ट्रपति नहीं थे। उन पर यह हमला राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 4 महीने पहले हुआ था।

20 साल के हमलावर ने 400 फीट की दूरी से ट्रम्प पर असॉल्ट राइफल से गोली चलाई थी। यह गोली उनके कान को छूते हुए गुजरी थी। इसके बाद ट्रम्प की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर को तुरंत ढेर कर दिया था।

अमेरिका में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की सुरक्षा का जिम्मा यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के पास होता है। यह एक फेडरल एजेंसी है, जो होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के तहत काम करती है। सीक्रेट सर्विस की शुरुआत 1865 में हुई थी।

# मेक्सिको में सेना ने सबसे बड़े ड्रग माफिया को मारा

## ट्रम्प के दबाव के बाद एक्शन, देशभर में हिंसा शुरू, समर्थकों ने एयरपोर्ट-मॉल में आग लगाई

**मेक्सिको सिटी, एजेंसी।** मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा कम से कम और 9 अपराधी भी मारे गए हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (ष्ट्छ्ठ्ल) का लीडर था। जलिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था।

**पहले भी ऐसी हिंसक घटनाएं हुईं:** मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था। 2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं।

अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है।

**मेक्सिको पर एक्शन लेने को दबाव बना रहे थे ट्रम्प :** जालिस्को कार्टेल कार्टेल 2009 में बना था। एल मेंचो की लीडरशिप में यह मेक्सिको का सबसे बड़ा ड्रग नेटवर्क बन गया था। यह कोकीन, मेथामफेटामिन और हाल के वर्षों में फेंटानिल जैसी सिंथेटिक ड्रग्स अमेरिका भेजता था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मेंचों की मौत से मेक्सिको और अमेरिका के रिश्तों में सुधार हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प मेक्सिको पर दबाव बना रहे थे कि वह कार्टेल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो वह सैन्य कार्रवाई पर भी विचार कर सकते हैं। इसी साल फरवरी में ट्रम्प एडमिनिस्ट्रेशन ने कार्टेल को विदेशी टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन घोषित किया। मेक्सिको सरकार ने साफ कहा है कि अमेरिकी हमले से देश की संप्रभुता का उल्लंघन होगा, लेकिन खुफिया जानकारी के स्तर पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# बंगाल के एसआईआर में लाखों दावों-आपत्तियों से निपटेंगे झारखंड-ओडिशा के जज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर में 80 लाख दावों और आपत्तियों से निपटने के लिए सिविल जजों को नियुक्त करने और पड़ोसी राज्यों झारखंड व ओडिशा से न्यायिक अधिकारियों को बुलाने की अनुमति दे दी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के एक पत्र पर संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया था कि एसआईआर कवायद के लिए तैनात 250 जिला न्यायाधीशों को दावों और आपत्तियों से निपटने में करीब 80 दिन लगेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गंभीर स्थिति और समय की कमी को ध्यान में रखते हुए पीठ ने प्रक्रिया संचालित करने के लिए सिविल जजों की तैनाती की अनुमति दी। उसने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से झारखंड और ओडिशा के अपने समकक्षों से

अनुरोध करने और स्थिति से निपटने के लिए समान पदों के न्यायिक अधिकारियों की मांग करने को कहा। पीठ ने निर्वाचन आयोग को झारखंड और ओडिशा से न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का खर्च वहन करने का निर्देश भी दिया। हाई कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने की अनुमति भी दी और स्पष्ट किया कि सत्यापन प्रक्रिया आगे बढ़ने पर चुनाव आयोग पूरक सूचियां जारी कर सकता है। वर्ष 2002 की मतदाता सूची से पारिवारिक संबंध जोड़ने में तार्किक विसंगतियों में ऐसे मामले शामिल हैं, जिनमें माता-पिता के नाम में असंगति पाई गई है और मतदाता व उसके माता-पिता के बीच आयु का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 फरवरी को पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच गतिरोध से निराश होकर राज्य में विवादों से घिरे एसआईआर में आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का एक निर्देश जारी किया था। चुनाव आयोग और बंगाल में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई टीएमसी सरकार के बीच दुर्भाग्यपूर्ण आरोप-प्रत्यारोप और विश्वास की कमी पर अफसोस जताते हुए पीठ ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कई नए निर्देश पारित किए थे।

## गुटखे के प्रचार को लेकर हाईकोर्ट सख्त, शाहरुख, अजय देवगन और अक्षय कुमार को भी बनाया पक्षकार

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने गुटखा कंपनियों का प्रचार करने के मामले में अपने पूर्व के आदेश के पालन के संबंध में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को जवाब देने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया है। दरअसल, हाईकोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को हुई सुनवाई के दौरान प्राधिकरण से पूछा था कि 2023 में याची के प्रत्यावेदन पर अब तक जांच लंबित क्यों है? याचिका में गुटखा कंपनियों के साथ क्रिकेटर कपिल देव, सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल तथा अभिनेताओं अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, सलमान खान, रितिक रोशन, टाइगर श्राफ, सैफ अली खां व रणवीर सिंह को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि ये हस्तियां जो पान मसाला कंपनियों का प्रचार कर रही हैं उनमें से अधिकांश पद्म पुरस्कार धारक हैं और उनकी ओर से किए जाने वाले ऐसे विज्ञापनों से समाज में गलत संदेश जाता है। ये विज्ञापन उपभोक्ता कानूनों का उल्लंघन भी है।

## दर्दनाक हादसा–घर में लगी भीषण आग, एक ही परिवार के छह लोग जिंदा जले, महिला घायल

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ जिले में एक मकान में आग लगने से पांच बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे ने मंगलवार को यहां बताया कि घटना किदवई नगर इलाके में बीती रात करीब आठ बजे हुई। उन्होंने बताया कि इकबाल अहमद के आवास पर आग लगने की सूचना रात आठ बजकर 49 मिनट पर मिली, जिसके बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि तीन मिनट के भीतर, डायल 112 पुलिस प्रतिक्रिया वाहन मौके पर पहुंच गया और उसके तुरंत बाद दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। पुलिस के मुताबिक, घर में सिलाई का काम होता था और बड़ी मात्रा में कपड़े रखे हुए थे जिससे आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं। उन्होंने कहा कि इलाके में संकरी गलियों के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में चुनौती पेश आती है इसीलिए अग्निशमन विभाग के बेड़े में शामिल की गईं नयी मोटरसाइकिलों को भेजा गया। एसएसपी ने बताया कि एक स्थानीय निवासी ने भी फंसे लोगों को निकालने में मदद के लिए सीढ़ी लगाकर बचाव प्रयासों में सहायता की। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है और विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना में सात लोग झुलसे हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में चिकित्सकों ने उनमें से छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान रुखसार (25), महबीश (12), हम्माद (चार), अकदस (चार), नबिया (चार माह) और इनायत (चार माह) के रूप में की गई है, जो किदवई नगर में सुराही वाली मस्जिद के पास गली नंबर तीन के निवासी थे। एसएसपी ने बताया कि घायल महिला अमीर बानो (55) का उपचार किया जा रहा है। परिवार के एक सदस्य मोहम्मद फारूक ने कहा कि जब उन्हें आग लगने की सूचना मिली तो वह नमाज पढ़ने गए थे।

## नीतिश के मंत्री का राहुल गांधी पर हमला, देश की जनता अब उन्हें गंभीरता से नहीं लेती

पटना (एजेंसी)। बिहार में नीतिश सरकार में मंत्री मंगल पांडे ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि देश की जनता अब उन्हें गंभीरता से बिल्कुल नहीं लेती। राहुल गांधी की पहचान अब इसतरह के नेता के तौर पर है जो देश की छवि को धूमिल करने का काम कर रहा हैं, लेकिन राहुल गांधी को सफलता हाथ नहीं लग रही है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट में यूथ कांग्रेस के शर्टलेस विरोध पर नीतिश सरकार में मंत्री पांडे ने कहा कि जब भी भारत को बदनाम करने या देश की इमेज खराब करने के लिए कांग्रेस सबसे आगे रहती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तेजी से मजाक का विषय बनते जा रहे हैं। इसकारण भारत की जनता राहुल गांधी को कभी गंभीरता से नहीं लेती। मंत्री पांडे ने कहा कि एआई समिट विश्व का मंच था, जहां 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष आए थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा वहां जिस तरह का प्रदर्शन हुआ है, वह निंदनीय है। कांग्रेस के इस प्रोटेस्ट से सभी को बहुत आघात पहुंचा है। कांग्रेस के लोग पता नहीं कि अब लोकतंत्र में क्या दिखाना क्या चाहती है। कांग्रेस ने शर्टलेस प्रोटेस्ट से देश की छवि को खराब करने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस को सफलता नहीं मिली। भाजपा नेता अश्विनी कुमार चौबे ने इंडिया एआई समिट में यूथ कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट पर कहा कि आपने देखा कि एआई समिट में 140 देशों के प्रतिनिधियों का कॉन्फ्रेंस चल रहा था और किस प्रकार से कांग्रेस के द्वारा एक छोटी–सी बात को लेकर भारत की छवि को दुनिया के सामने खराब करने की कोशिश की गई।

## लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ने पर 13 छात्रों को नोटिस

लखनऊ (एजेंसी)। रमजान के महीने में लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ने को लेकर पुलिस प्रशासन ने छात्रों के खिलाफ कार्रवाई कर दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर स्थित लाल बारादरी में नमाज पढ़ने के प्रकरण में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई कर 13 छात्रों को नोटिस दे दिया है। सहायक पुलिस आयुक्त/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट, महानगर कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा के तहत जारी नोटिस में आरोप लगाया गया है कि संबंधित छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में लाल बारादरी के पास चल रहे निर्माण कार्य को बाधित करने का काम किया। कैंटीन के सामने सड़क पर बैठकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थान पर नमाज पढ़ने की कोशिश की, जिससे शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका उत्पन्न हुई। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर जारी आदेश में कहा गया है कि इन गतिविधियों से विश्वविद्यालय परिसर में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई और भविष्य में लोक शांति भंग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने सभी 13 छात्रों को निर्देश दिया है कि वे एक वर्ष तक शांति और कानून–व्यवस्था बनाए रखने की गारंटी के रूप में 50 हजार का व्यक्तिगत मुचलका और 50–50 हजार के दो जमानतदार प्रस्तुत करें। लखनऊ यूनिवर्सिटी परिसर की लाल बारादरी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें हिंदू छात्रों ने चेन बनाकर मुस्लिम छात्रों को नमाज पढ़ने में मदद की थी। सोमवार को छात्रों के दूसरे संगठन ने इसके विरोध में प्रदर्शन किया था। आरोप है कि लाल बारादरी में रेनोवेशन का काम चल रहा है। इसके बावजूद छात्र यहां नमाज अदा करने पहुंचे थे। जब छात्रों को नमाज पढ़ने से रोका गया तब हिंदू छात्रों ने बैरिकेटिंग को गिरा दिया और ह्यूमन चेन बनाकर खड़े हो गए। इसके बाद छात्रों ने नमाज अदा की और रोजा खोला।

## अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर महंगे आभूषण, लग्जरी घड़ियां और विदेशी मुद्रा के साथ महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई कर एक महिला यात्री को अवैध रूप से महंगे आभूषण, लग्जरी घड़ियां और विदेशी मुद्रा लाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अमेरिकी पासपोर्ट धारक यह महिला हांगकांग से फ्लाइट नंबर सीएक्स–695 द्वारा टर्मिनल–3 पर पहुंची थी। महिला पर संदेह होने पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने उन्हें रोका और सामान की एक्स–रे जांच की। निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत विस्तृत तलाशी लेने पर भारी मात्रा में अघोषित विदेशी सामान बरामद हुआ।

## कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रविरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन चुके: अनुराग ठाकुर

**कांगड़ा (एजेंसी)।** भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रविरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन चुके हैं। कांगड़ा में भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कई गंभीर आरोप लगाए। सांसद ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी देश विरोधी ताकतों के प्रवक्ता बने हुए हैं। वह भारत में रहकर और भारत के बाहर रहकर देश विरोधी एजेंडा चलाते हैं, इतना ही नहीं नकारात्मक पॉलिटिक्स को बढ़ावा देकर अराजकता फैलाने का प्रयास करते हैं। अब उनका एकमात्र काम झूठ बोलना, कन्फ्यूजन पैदा करना, भारत को बदनाम करना और मोदी विरोधी राजनीति करना है। जब भारत की इकॉनमी सबसे तेजी से बढ़ रही है, तब वह भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी कहते हैं। उन्हें भारत की तरक्की पसंद नहीं है। भाजपा सांसद ने कहा कि पूरी दुनिया ने एआई समिट की तारीफ की, वहां राहुल गांधी के इशारे पर उनके कार्यकर्ता शर्टलेस प्रदर्शन कर देश की छवि को धूमिल करने की कोशिश की। क्या राहुल गांधी की राजनीति विदेशों से तय हो रही है। कांग्रेसी विदेशियों का एजेंडा चला रहे हैं। कांग्रेस पार्टी जॉर्ज

सोरेस के कहने पर चल रही है। कांग्रेस पार्टी राजीव गांधी फाउंडेशन में चंदा ले रही है और फिर चीन का गुणगान कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज राहुल का मतलब क्या हो गया है? आर से रार, ह से हुडदंग, ल से लंफगई। उनकी जगहंसाई हो रही है। सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या राहुल गांधी सच में नेता प्रतिपक्ष हैं।

भाजपा सांसद ने कहा कि संसद में महिला सांसदों को भेजकर पीएम की सीट का घेराव करना किस तरह की राजनीति है। विदेशी मंचों पर जाकर राहुल गांधी बयान देते हैं। एक के बाद एक झूठ बोलते हैं, उनका यही काम रह गया है। कांग्रेस अराजकता, अफवाह और दंगा फैलाने की हरसंभव कोशिश कर रही है। राहुल गांधी जो सोच रहे हैं, वह सफल नहीं हो सकते है।

## कांग्रेस डरपोक नहीं, संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा करेंगे

### मल्लिकार्जुन खड़गे ने उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को लेकर दी तीखी प्रतिक्रिया

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि वे हमारे युवा नेताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस न तो डरपोक है और न ही डरने वाली है। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे।

बेंगलुरु में मीडिया से बातचीत में खड़गे ने कहा कि जब कॉमनवेल्थ गेम्स हो रहे थे, तो नितिन गडकरी और बीजेपी नेताओं ने क्या किया? ऐसे हर इवेंट में वे देश की भावना को समझने में नाकाम रहे। उन्होंने यह नहीं सोचा कि इससे उस समय भारत और विदेश के एथलीटों को क्या संदेश जाएगा। बीजेपी दूसरों के बारे में तो बहुत कुछ कहती है, लेकिन अपने गिरेबान में नहीं झांकती है। अगर वे अपने गिरेबान में झांकेंगे, तो शायद उन्हें अपनी सच्चाई दिखाई देगी। मैं यूथ कांग्रेस अध्यक्ष

भानु की गिरफ्तारी की निंदा करता हूं।

रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने कहा कि युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल इतना खराब हो चुका है कि उसके कारण केंद्र सरकार के प्रति लोगों में भारी रोष है। मैं चाहता था कि पीएम मोदी देश के लिए कुछ अच्छा कार्य करें, लेकिन केंद्र सरकार नहीं कर रही है। हमारी सरकार वह कर रही है जो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कहते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप के सामने सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका ट्रेड डील से किसानों का नुकसान होगा। हमें बंधुआ मजदूर बनाने की दिशा में धकेला जा रहा है।

खड़गे ने कहा कि सरकार की ओर से कांग्रेस को डराया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है और न ही डरपोक है। हमारे देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे। हम लड़ते रहेंगे और सरकार के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद पुलिस की कार्रवाई पर कहा कि प्रदर्शन करने के बाद अगर हिरासत में लिया जाता है तो पुलिस कुछ देर बाद छोड़ देती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस को निशाना बनाकर डर पैदा करने के लिए काम कर रहे हैं और कांग्रेस डरने वाली नहीं है।

## केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने पर थरुर का मजाकिया अंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने की चर्चा के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने एक दिलचस्प लेकिन अहम भाषाई सवाल उठा दिया है। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर ने अपनी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि नाम परिवर्तन सभी के लिए अच्छा कदम हो सकता है, लेकिन अंग्रेज़ी बोलने वालों के लिए एक छोटा सा भाषाई प्रश्न खड़ा होता है। उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज़ में पूछा कि अगर राज्य का नाम 'केरलम' हो जाएगा, तब वहां के निवासियों को क्या कहा जाएगा....केरलाइट', 'केरलन' या कुछ और?

कांग्रेस सांसद थरूर ने मजाकिया लहजे में लिखा कि 'केरलमाइट' शब्द सुनने में किसी सूक्ष्म जीव (माइक्रोब) जैसा लगता है, जबकि 'केरलमियन' किसी दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ मटीरियल) की तरह प्रतीत होता है। उन्होंने केरल के सीएम ऑफिस को टैग कर सुझाव दिया कि शायद मुख्यमंत्री नए शब्द के चयन के लिए कोई प्रतियोगिता आयोजित कर सकते हैं। उनका यह बयान तब आया है जब केंद्र की मोदी सरकार राज्य का नाम आधिकारिक रूप से 'केरलम' करने सहमति जता चुकी है।

## महाराष्ट्र से एनसीपी पार्थ पवार को राज्यसभा चुनाव में उतारेगी, बीजेपी के अंदर नामों को लेकर मंथन

### –शिवसेना शिंदे गुट के लिए एक सीट सुरक्षित

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र की सात राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव से पहले महाराष्ट्र में सियासत में हलचल तेज हो गई है। महायुति की सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने इस लेकर अपने उम्मीदवार पर बड़ा फैसला लिया है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार की रात प्रफुल्ल पटेल के आवास पर पार्टी की कोर कमेटी की हुई बैठक में पार्थ पवार को राज्यसभा चुनाव में उतरने पर सहमति बनी है। बैठक में प्रफुल्ल पटेल के अलावा उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। 26 फरवरी को होने वाली बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर मुहर लग सकती है, जहां सुनेत्रा पवार का नाम सबसे आगे माना जा रहा है।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) भी अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। पार्टी इस बार राज्यसभा की चार सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। इसमें रामदास अठावले का नाम करीब तय है, जबकि विनोद तावड़े, विजया रहाटकर और धैर्यशील पाटिल के नामों पर

अंतिम निर्णय होना बाकी है।

बात दें कि महाराष्ट्र में इस बार राज्यसभा की 7 सीटें खाली हैं और 286 विधायकों के आधार पर एक उम्मीदवार को जीत के लिए 37 वोटों की जरूरत होगी। आंकड़ों के अनुसार, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के पास स्पष्ट बढ़त है। सिर्फ बीजेपी के पास एक निर्दलीय को मिलाकर कुल (131+1) यानी 132 विधायकों का समर्थन है, इस संख्याबल के दम पर 3 से 4 सांसद आसानी से भेज सकती है। वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) अपने 58 विधायकों के साथ एक सीट सुरक्षित कर सकती है, जबकि एनसीपी (अजित पवार गुट) भी एक सीट जीतने की स्थिति में है, क्योंकि अजित पवार की मौत के बाद उसके पास 40 विधायक हैं।

इसके मुकाबले महाविकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (ठाकरे गुट) शामिल हैं, के पास कुल मिलाकर करीब 49 विधायकों का समर्थन है। इस संख्या के आधार पर एमवीए केवल एक सीट ही सुरक्षित कर सकती है। राजनीतिक समीकरणों के हिसाब से महायुति गठबंधन 6 सीटों पर मजबूत दिख रहा है, जबकि विपक्षी गठबंधन को सीमित सफलता मिलने की संभावना है।

## उड़ान भरते ही विमान इंजन हुआ फेल, दिल्ली एसरपोर्ट पर कराई आपात लैंडिंग

### –कॉकपिट में नहीं मिला फायर वार्निंग संकेत, विमान में सवार थे 150 यात्री

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली से लेह जा रहे स्पाइस जेट विमान की मंगलवार उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण लेह जाने के बजाय दिल्ली एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में करीब 150 यात्री सवार थे। इस घटना में किसी को नुकसान नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इंजन नंबर-2 फेल होने से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। लैंडिंग के बाद यात्रियों के लिए यात्रा की वैकल्पिक व्यवस्था की उम्मीद है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि तकनीकी खराबी के चलते दिल्ली से लेह जा रहे विमान को वापस बुलाना पड़ा। विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। कॉकपिट में फायर वार्निंग का कोई संकेत नहीं मिला।

रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि फ्लाइट एसजी121 दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से निकली थी। टेक ऑफ के तुरंत बाद ही क्रू मेंबर्स को तकनीकी खराबी का पता चला। सावधानी बरतते हुए पायलटों ने विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड करने का फैसला लिया। विमान की पूरे प्रोटोकॉल के साथ लैंडिंग करवाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों के साथ मेडिकल टीम और फायर सर्विस भी वहां मौजूद थी।

बता दें इससे पहले असम के डिब्रूगढ़ से कोलकाता के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो एयरलाइन के एक विमान में 14 फरवरी को बम होने की धमकी मिली थी जिसके बाद विमान की तुरंत ही इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। वहीं बीते साल 2 दिसंबर को कुवैत से हैदराबाद आ रही इंडिगो के एक विमान में बम की धमकी के बाद मुंबई में उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई थी। विमान में बम की चेतावनी की धमकी ई-मेल से मिली थी जो कि बाद में फर्जी निकली। वहीं बीते साल ही 12 नवंबर को एयर इंडिया एक्सप्रेस के मुंबई से वाराणसी जा रहे विमान के टॉयलेट में कागज पर बम लिखा मिलने के बाद वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई थी।

## कांग्रेस गुटबाजी, अविश्वास और सहयोगी दलों के साथ तालमेल की कमी से हाशिये पर!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफा देने के बाद पार्टी की लगातार गिरती राजनीतिक स्थिति और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। बोरा ने चुनाव से ठीक पहले पार्टी छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया है, जिससे संगठनात्मक कमजोरी और आंतरिक कलह तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कई राज्यों में कांग्रेस की इकाइयां अंदरूनी गुटबाजी, आपसी अविश्वास और सहयोगी दलों के साथ तालमेल की कमी के कारण हाशिये पर आ रही है। आलोचकों के मुताबिक शीर्ष नेतृत्व की निर्णय प्रक्रिया में कथित 'सुस्ती' और समय पर हस्तक्षेप न कर पाने की प्रवृत्ति पार्टी के लगातार क्षरण का कारण बन रही है।

कर्नाटक में सीएम सिद्दारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संतुलन को लेकर लंबे समय से खींचतान चल रही है। बताया जाता है कि राहुल गांधी की मुलाकातों के बावजूद मतभेद खत्म नहीं हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रतिभा सिंह गुटों के बीच प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर संघर्ष जारी है। पार्टी ने राज्य इकाई भंग कर संतुलन साधने की कोशिश की, लेकिन असंतोष बना रहा। दिल्ली में जहां कभी शीला दीक्षित के नेतृत्व में 15 साल तक कांग्रेस की सरकार रही, पार्टी आज एकजुट चेहरा पेश करने में नाकाम है।

वहीं हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा के बीच मतभेदों ने 2025 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच टकराव ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। बाद में चरणजीत सिंह चन्नी को जिम्मेदारी दी गई, लेकिन तब तक काफी क्षति हो चुकी थी। यूपी में संगठन भंग करने के बावजूद कांग्रेस पुनर्जीवित नहीं हो पाई। पूर्वोत्तर राज्यों, खासकर असम और अरुणाचल प्रदेश में भी पार्टी अव्यवस्था का सामना कर रही है। पश्चिम बंगाल में सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने कांग्रेस से दूरी बना ली है। झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी के साथ गठबंधन भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे सका।

बिहार में राजद के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को 'बोझ' के रूप में देखा गया। ओडिशा में संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच टकराव को 2023 में सत्ता गंवाने की बड़ी वजह माना गया। गुजरात और महाराष्ट्र में भी पार्टी दो दशक से ज्यादा समय से बीजेपी को चुनौती देने में विफल रही है। तमिलनाडु में द्रमुक के साथ गठबंधन के बावजूद सीट बंटवारे को लेकर मतभेद उभरे हैं, जिससे आगामी चुनावों से पहले असहज स्थिति बन रही है। कुल मिलाकर कई राज्यों में लगातार गुटबाजी, नेतृत्व संकट और सहयोगियों के साथ तालमेल की कमी ने कांग्रेस की स्थिति को कमजोर किया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या चुनौतियों के लिए शीर्ष नेतृत्व जिम्मेदार है।